Postal Regd. No : L/SLN/98/ 2019-21
RNI. Regd. No 66124/97
D.A.V.P No 131488

केन्द्र एवं हिमाचल सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
हिमाचली संस्कृति एवं जनभावनाओं का सहज प्रवक्ता

हिम हिमवन्ती

नाहन (सिरमौर)
वर्ष : 23 अंक : 44
प्रत्येक बुधवार
30 अक्टूबर से 5 नवम्बर 2019
पृष्ठ : 8 मूल्य : तीन रुपये
हिन्दी साप्ताहिक
सम्पादक : अरविन्द गोयल

www.himwanti.in E-mail : himwantimedia@gmail.com WhatsApp 9318855025 @himwantimedia

कौलावाला भूड़-लवासा चौकी सड़क पुल का इसी वर्ष होगा लोकार्पण-डॉ.बिंदल

कबड्डी खिलाड़ियों के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, साथ में जिला परिषद सदस्य मनीष चौहान एवं अन्य गणमान्य

नाहन (प्रे.वि). नाहन निर्वाचन क्षेत्र की कौलावाला भूड़–लवासा चौकी सड़क को चौडा तथा पक्का करने पर साढ़े आठ करोड़ की राशि व्यय की जा रही है और इस सडक का निर्माण कार्य अन्तिम चरण में है जिसे इस वर्ष जनता को समर्पित कर दिया जाएगा इसके अतिरिक्त कौलावाला भूड सडक पर मझाड़ा पुल के निर्माण पर साढ़े सात करोड़ की राशि व्यय की जा रही है और इस पुल का भी इसी वर्ष लोकार्पण कर दिया जाएगा ।

यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 राजीव बिंदल ने जंगला भूड़ में भैयादूज के अवसर पर आयोजित एक दिवसीय मेले के अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए दी। मेले के शुभ अवसर पर कबडडी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें 16 टीमों ने भाग लिया ।

डॉ0 बिंदल ने लोगों को भैयादूज पर्व की शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि यह त्यौहार भाई–बहन के अटूट बधंन का प्रतीक है जिसे लोग हर वर्ष बड़ी श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाते हैं। उन्होने कहा कि मेले व त्यौहार प्रदेश की प्रसिद्ध एवं समृद्ध संस्कृति व श्रद्धा के परिचायक है जिनके आयोजन से लोगों में आपसी भाईचारा ,प्यार और पारस्परिक सहयोग की भावना उत्पन्न होती है जिससे राष्ट्र की एकता व अखण्डता को बल मिलता है । उन्होने कहा कि मेले व त्यौहारों को पारंपरिक ढंग से मनाना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति का बोध हो सके ।

उन्होने कहा कि नाहन विधानसभा क्षेत्र के त्रिलोकपुर में 2 करोड की लागत से भूडडियों पुल, 4 करोड की लागत से अन्धेरी पुल, मारकंडा नदी पर 9 करोड की लागत से निर्मित विक्रमबाग–खदरी पुल तथा 2 करोड की लागत से ग्राम पंचायत रामाधौण में दोघाट खाले पर निर्मित पुलों का लोकार्पण कर दिया गया है जिससे इस क्षेत्र के लोगों को आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष विनय गुप्ता कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान नाहन विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

इस मौके पर जिला परिषद सदस्य मनीष चौहान, जिला भाजपा सचिव प्रताप ठाकुर, सदाराम शर्मा, के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

भाजपा प्रत्याशी रीना कश्यप 2808 मतों से विजय

पच्छाद उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रीना कश्यप ने कांग्रेस प्रत्याशी जी.आर. मुसाफिर को 2808 मतों से पराजित किया । राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ के सभागार में निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम राजगढ़ के नेतृत्व में पच्छाद उप चुनाव के लिए मतगणना का कार्य सम्पन्न हुआ । उल्लेखनीय है कि पच्छाद निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार महिला विधायक और गिरिपार क्षेत्र से दूसरी बार विधायक बनने का वर्चस्व हासिल हुआ है जबकि जी. आर. मुसाफिर तीसरी बार विधानसभा चुनाव हार चुके हैं । निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम राजगढ़ नरेश वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पच्छाद उप चुनाव दौरान ईवीएम के अतिरिक्त पोस्टल बैलट और ईटीपीबीएस सहित कुल 54309 मत पड़े थे जिनमें भाजपा प्रत्याशी रीना कश्यप को 22167 मत, कांग्रेस प्रत्याशी गंगूराम मुसाफिर को 19359 मत, निर्दलीय प्रत्याशी दयाल प्यारी को 11698 मत निर्दलीय प्रत्याशी पवन कुमार को 428 मत मिले।

पांवटा साहिब में हुई थी दुनिया की सबसे पहली आरोग्य कान्फ्रेंस

आसाराम बापू के आश्रम में आयोजित हुआ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस

52 ऋषि-मुनियों ने बीमारियों के उपचार को लेकर की थी यहां कान्फ्रेंस

पांवटा (प्रे.वि). बताया जाता है कि सतयुग काल में कोई बीमारी नहीं होती थी मगर त्रेतायुग के साथ बीमारियों ने भी मनुष्य को जकड़ना शुरू कर दिया था। तब भारतवर्ष के 52 ऋषियों ने पांवटा साहिब दून वैली में इकट्ठे होकर दुनिया की पहली वार्ता की थी।

यह जानकारी संत आसाराम बापू के आश्रम में उनके अनुयायियों द्वारा संचालित अच्युताय हरिओम फार्मेसी के तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष पर वरिष्ठ चिकित्सक प्रमोद पारीख ने दी। उन्होंने बताया कि जब दुनिया ने खाना और पीने का ढंग भी नहीं सीखा था तब हमारे देश ने आयुर्वेद को उपचार में लाया था। मगर इससे भी पहले समंदर मंथन के दौरान अमृत के अलावा जो रतन निकले थे उनमें धनवंतरी जी का भी अवतरण हुआ था। उन्हीं आरोग्य के भगवान ध नवंतरी के "दिवस को इस आश्रम के प्रांगण में वैदिक परंपरा के अनुसार मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक विभाग के उपनिदेशक डॉक्टर सुंदर शर्मा ने मुख्य रूप से शिरकत करी। उन्होंने बताया कि मानव सेवा को बिना किसी स्वार्थ के समर्पित इस आश्रम के अनुयायियों के द्वारा अच्युताय हरिओम फार्मेसी के तत्वाधान में हर वर्ष भगवान धन्वंतरी "दिवस वैदिक परंपराओं के अनुसार मनाया जाता है। उपनिदेशक आयुर्वेदिक विभाग का कहना है कि दुनिया को उत्तम स्वास्थ्य व उपचार का सूत्र भी हमारे पौराणिक आयुर्वेद ने दिया है। सन 1700 ईसवी से पहले हमारे देश के लोग आयुर्वेद को अच्छी तरह से समझते नहीं थे। मगर जब विदेशियों ने आयुर्वेद की महत्ता को समझा तो यही आयुर्वेद विदेश से आयुर्वेदा बनकर भारत में वापस लौटा। इस मौके पर संत आसाराम आश्रम में होम्योपैथिक चिकित्सा में सेवाएं दे रही वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर कनक ने होम्योपैथिक को आयुर्वेदा का ही हिस्सा बताया। इस मौके पर जिला सिरमौर मुख्य आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ कविता शर्मा ने जल को कितनी मात्रा में लेना चाहिए उसके बारे में विस्तार से बताया। तो वही आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ प्रभाकर मिश्रा यादवेंद्र ठाकुर, शरद त्रिवेदी, गोपाल शर्मा, मंजू शर्मा कुलदीप शर्मा, शिखा शर्मा, आदेश गोयल, मधु गोयल, आशुतोष, रंजन आदि ने भी आयुर्वेद के महत्व पर महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

अच्युताय हरिओम फार्मेसी के निदेशक अमर भाई ने आयुर्वेद में दवा के साथ साथ खाने का समय, खाने के बाद किस करवट लेटना है, पानी कितने घंटे बाद पीना है इस बारे में अनमोल जानकारियां दी।

देहरादून से आई आयुर्वेद चिकित्सक दीपिका उनियाल ने बताया कि यह हिमाचल प्रदेश का सौभाग्य है कि उनके प्रदेश में एक ऐसी फार्मेसी है जहां पर वैदिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए उत्तम किस्म की औषधियों का प्रयोग करते हुए दवाएं तैयार की जाती है। इससे पहले प्रातः 10:00 बजे संत आसाराम बापू आश्रम के प्रांगण में भगवान धन्वंतरी को समर्पित आरोग्य हवन का आयोजन भी किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने शिरकत करते हुए इस हवन में पूर्ण आहुति डाल भगवान धन्वंतरी से आरोग्य का आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में आशारामायण पाठ व पादुका पूजन भी किया गया। कार्यक्रम के समापन के बाद विशेष रुप से तैयार किया गया गुजराती भोजन भी श्र(ालुओं को परोसा गया। इस मौके पर आशुतोष रंजन, राजा राममोहन मिश्रा, राजकुमार शर्मा ,महिमानंद , जी.एस अरोड़ा ,अविनाश कपूर ,अमरजीत सिंह एल के नागिया, प्रवेश कुमार गुप्ता के अलावा आश्रम प्रबंधक सुंदर भाई ,सुरेंद्र भाई अरुण शर्मा के साथ–साथ समिति सदस्य जगदीश चौधरी, अनिल दीक्षित, अजय बंसल, नरेश अग्रवाल ,एडवोकेट सतपाल डारिया, शशि पाल चौधरी ,इंडस्ट्री सेक्टरी सुभाष चौधरी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

किड्स पैराडाईस स्कूल में मनाया गया दीपावली पर्व धूमधाम से

पांवटा (हिका). स्थानीय किड्स पैराडाईस स्कूल यमुना विहार कालोनी शमशेरपुर में दीपावली पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने इस मौके पर अपनी अध्यापिकाओं के सहयोग से रंगोली बनाई तथा स्कूल परिसर को खूब अच्छी तरह से सजाया भी। यही नहीं बच्चों ने इस त्योहार पर विभिन्न गानों पर नृत्य भी किया तथा दीये जलाए एवं पटाखों का आनन्द भी लिया।

बच्चों ने अपनी स्कूल शिक्षिकाओं के साथ इस पावन पर्व पर माँ लक्ष्मी की पूजा अर्चना की तथा स्कूल प्रबन्धन की ओर से सभी बच्चों को लड्डू भी बांटे गये।

स्वास्थ्य चर्चा

रूसी दूर करने के घरेलू उपचार

अब तक यही कहा जाता है कि रूसी त्वचा डैंड्रफ के कारण होती है लेकिन एक्सपर्ट की मानें तो यह सही नहीं हैं। डैंड्रफ का कारण एक प्रकार की यीस्ट होती है जो कि सिर की त्वचा को खाकर जीती है या फिर सिर के तेल को। इस वजह से हमारे सिर की त्वचा जल्दी झड़ने लगती है जिसे हम रूसी या डैंड्रफ कहते हैं।

रूसी दुर करने वाला शैंपू या अन्य उपाय डैंड्रफ को अस्थाई रूप से हटा सकते हैं लेकिन समस्या वापस आ जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ घरेलू उपायों के बारे में जों डैंड्रफ को दूर करने के साथ ही उसे वापस आने से भी रोकते हैं।

1.नींबू– 3 या 4 नींबू के छिलके उतारकर उन्हें 4 या 5 कप पानी में 15 से 20 मिनट उबालें। जब ठंडा हो जाए तो इस घोल से बाल धोने के बाद लास्ट रिंस दें।

2.मेथी– मेथी दानों को रात में भिगोकर सुबह उसे पीसकर लेप बनाएं और सिर की त्वचा में लगाएं, कुछ समय बाद धो दें। बालों की सभी समस्याओं में फायदा होगा।

3.सिरका– सिरका और पानी को बराबर मात्रा में मिलाकर लगाने से भी डैंड्रफ खत्म होता है। इस मिश्रण को रात भर लगाकर सुबह बालों में शैंपू करें।

4.दही– दही को स्कैल्प में लगाकर एक घंटा छोड़ दें उसके बाद सिर धो लें।

5.एलोवेरा– एलोवेरा जेल की मालिश करने से भी सिर की त्वचा संबंधी कई समस्याएं ठीक हो जाती हैं।

6. नारियल तेल– 5 चम्मच नारियल तेल में एक चम्मच नींबू रस मिलाकर लगाने से भी डैंड्रफ ठीक हो जाता है।

7.नीम की पत्ती– नीम की पत्तियों का लेप सिर की त्वचा को गीला किए बिना ही लगांए और कुछ देर बाद सिर धो लें।

8.बेसन– दही और बेसन मिलाकर सिर की त्वचा की हल्के हाथों से मालिश करें। ऐसा करने से भी डैंड्रफ खत्म हो जाता है।

9.तुलसी– तुलसी और आंवले के पाउडर को मिलाकर लेप बनांए और सिर की त्वचा पर आधा घंटा लगा रहने दें। इसके बाद शैंपू करें।

10.अंडा– दो अण्डों को फोड़कर उसे फेंटे और सिर की स्कैंपल पर मालिश करें। आधा घंटा बाद सिर धो लें। **(साभार रफ्तार)**

कविता संग्रह

मैं मुक्त हूं

❖ मनीष गुप्ता

मैं मुक्त हूँ,
हर पाश से
जो पशु मुझे बनाता है
षड रिपुओ के बंधन से
हर धर्म और मर्यादा से
जो थोपे गए मानव होने से
में मुक्त हूँ ।
आज फिर वैसे ही
जब पैदा हुआ हंसता सा रोता सा
खुला ब्रह्मरंद्र लिए
जुड़ा हुआ अपने मूल से
में मुक्त हूँ
जीवन में ही मुक्त हूँ
मूक सा निहारता
इस अचरज भरे संसार को
कैसे और कहां से
अस्तित्व इस ने ले लिया
क्यूं आ गए हम यहां
बांध लिया बंधन में
कर्मपाश को जान कर
मुक्त हूँ में मुक्त हूँ
निशब्द बैठा शिखर पर
जीवन चक्र निहारता
सब बिखरता क्षण में
क्षण में फिर संवरता
छूट जाते वो सभी
जिनको में था जानता
यहां तो मेरा कुछ नहीं
फिर क्यूं था खुद को बांधता
में मुक्त हूँ में मुक्त हूँ
आज सही में मुक्त हूँ।

(आयुर्वेदिक अस्पताल कुल्लू हि. प्र.)

खान–पान और गठिया

गठिया रोग में जोड़ों में गांठे बन जाती हैं और शूल चुभने जैसी पीड़ा होती है, चलने–फिरने में भी तकलीफ होने लगती हैं तथा जोड़ों में बहुत दर्द होता हैं।

गठिया के मूल कारण:– गठिया का मूल कारण है शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा का बढ़ जाना, जिसकी वजह से जोड़ों में सूजन आ जाती है। पीड़ित दर्द के कारण ज्यादा चल फिर नहीं सकता यहां तक कि हिलने–डूलने में भी परेशानी होने लगती है।

सबसे पहले इसका असर पैरों के अंगूठे में देखने को मिलता है। इस रोग की सबसे बड़ी पहचान ये है कि रात को जाड़ों का दर्द बढ़ता है और सुबह थकान महसूस होती है।

गठिया में परहेज आवश्यक होता है इसलिए आपको जानना जरूरी है क्या खांए और क्या नहीं खांए।

गठिया में जड़ों वाली फल सब्जियां काफी लाभप्रद होती है, गाजर, शकरकंद, और अदरक अच्छा होता है। इनमें प्यूरिन की मात्रा काफी कम होती है।

गठिया से पीड़ित व्यक्तियों को ढेर सारा पानी पीनें और तरल पदार्थो का सेवन करने को कहा जाता है, लेकिन अल्कोहल और सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से बचें अगर आप अल्कोहल और सॉफ्ट ड्रिंक का सेवन करते हैं तो अपकी समस्या और भी बढ़ सकती है।

अलकोहल खासकर बीयर शरीर में यूरिक एसिड के लेवल को तो बढ़ता है और तो और शरीर से गैर जरूरी तत्व निकालने में शरीर को रोकता है।

फ्रेक्टोस वाली चीजों का सेवन करने वालो को गठिया होने की संभावना दुगनी होती है, 2010 में किए गए एक शोध से यह बात सामने आई है।

अगर आप गठिया से पीड़ित है तो आप को उन खाद्य पदार्थो से परहेज करना चाहिए, जिसमें अधिक मात्रा में प्यूरिन पाया जाता हो, क्योकि ज्यादा प्यूरिन हमारे शरीर में ज्यादा यूरिक एसिड पैदा करता हैं।

शतावरी, पत्तागोभी, पालक, मशरूम, टमाटर, सोयाबीन, तेल जैसी सब्जियों का गठिया से पीड़ित व्यक्तियों को परहेज करना चाहिए। **(साभार रफ्तार)**

01 नवम्बर से शुरू होंगी डीएलएड के नये बैच की कक्षाएं

धर्मशाल (ब्यूरो)– जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान धर्मशाला के प्रधानाचार्य विनोद चौधरी ने जानकारी दी है कि डीएलएड के नये शैक्षणिक सत्र 2019–21 की नियमित कक्षाएं 01 नवम्बर, 2019 से धर्मशाला में आरंभ होंगी। जिन चयनित अभ्यर्थियों ने डिप्लोमा के लिए डाईट धर्मशाला में दाखिला ले लिया है वे 01 नवम्बर, 2019 से संस्थान में कक्षाओं हेतु उपस्थिति दर्ज करवाना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय दूरभाष नम्बर 01892–223185 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

क्या है हार्ट अटैक

हार्ट अटैक या हृदय आघात हाल के सालों में सर्वाधिक होने वाली लाइफस्टाइल बीमारी है। हृदय में ब्लॉकेज के कारण होने वाली इस बीमारी से दुनिया भर में कई लोग पीड़ित हैं और कई जान गंवा चुके हैं। हार्ट अटैक के पचास प्रतिशत मरीजों की अस्पताल पहुँचने से पहले ही मृत्यु हो जाती है। हर साल भारत में 30 लाख लोंगों की मौत दिल की बीमारी से होती है।

क्या है हार्ट अटैक– हमारे दिल का वजन लगभग 340 ग्राम होता है। शरीर में नियमित रक्त संचार बनाये रखने के लिए हमारा दिल किसी पंप की तरह काम करते हुए एक दिन में एक लाख बार धड़कता है। इस पंप को सदैव चालू रखने के लिये इसमे खून की सप्लाई एक अलग रक्त वाहिका के द्वारा होती हैं, जिसे **कोरोनरी आरटेरी** कहते हैं। समय के साथ कोरोनरी आरटेरी की दीवारो पर चिकनाई जमती है। कैलशियम और अन्य चीज भी उस चिकनाई में जमा होते रहते हैं, उस जमाव को पलाक कहते हैं। पलाक के कारण कोरोनरी आरटरी का अंदर का व्यास कम हो जाता है, इस कारण दिल के विभिन्न भागों को खून कम मिलता है और दिल सही तरह से काम नहीं कर पाता हैं। जब पलाक की वजह से कोरोनरी आरटेरी में रक्त प्रवाह रूक जाता है तो दिल में खून की सप्लाई बंद हो जाती है। दिल का दौरा या हार्ट अटैक कहते हैं।

सामान्य उपचार– बचाव ही किसी रोग का सबसे बेहतरीन उपचार होता है। अपनी जीवन शैली को स्वस्थ रख हम इस बीमारी से आसानी से बच सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी यह रोग हो जाए तो निम्न उपाय अपनाए जा सकते हैं। जिसे सीपीआर भी कहते हैं:

हार्ट अटैक में सीपीआर–

1– हार्ट अटैक होने पर रोगी को लिटा दें और जितना हो सके उसके आसपास खुला वातावरण रखें।

2– रोगी के कपड़ो को ढीला कर दें।

3– संयम बरतते हुए हथेलियों से रोगी की छाती पर तेज और जोर से दवाब डालें। हर दवाब के बाद छाती में मौजूद कम्प्रेशन को रिलीज करने का प्रयास करें।

4– इस प्रक्रिया को 25–30 बार दोहराएं। इससे रोगी की धड़कने फिर से लौट आएंगी।

5– बिना विलम्ब किये एम्बुलैंस को बुलाए।

(साभार रफ्तार)

डेंगू एक विषाणुजनित रोग है

जो मादा वयस्क एडिस मच्छरों के काटने से पैदा होता है। यह मच्छर, छत के ऊपर लगी सीमेंट की टंकियों, भूमिगत टंकियों, टायरों, डेजर्ट कूलर, पड़े हुए बर्तनों, गड्ढों, छर्तो, खिड़कियों, खिड़कियों के बीच खाली जगहों, फौव्वारों, लकी बैंबू पॉट, मनी प्लांट बोतल आदि में जमा पानी मे पैदा होता है। ये सभी चीजें घरों और आसपास पाई जाती हैं। एडिस मच्छरों को प्राथमिक तौर पर सफाई, पानी वाले बर्तनो को सूखा कर खत्म किया जा सकता है।

इसके अलावा मच्छरों के प्रजनन की जगहों पर टेमेफोस रसायन और पाउडर के छिड़काव करने से भी बचाव हो सकता है। मच्छरों से भरी नालियों में लार्वा रोधी जैविक पदार्थ डाला जाता है। डाइफ्लूबेनज्यूरोन और पाइराप्रोक्सिफेन को मच्छरों के लार्वा को मारने में इस्तेमाल किया जाता है। लार्वा रोधी इन रसायनों को छिड़काव नगरनिगम के कर्मचारी करते हैं। मच्छर न काटें इसके लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनने चाहिए। मच्छरों को भगाने में इस्तेमाल होने वाले क्वायल, टिकिया आदि से भी बचाव हो सकता है। बच्चों को दिन के समय सोते समय मच्छरदानी लगाएं ओर रात को मच्छर भगाने की क्रीम का इस्तेमाल करें।

सामुदायिक स्तर पर निर्माण स्थलों पर लार्वा रोधी अभियानों को भवन उपनियमों में शामिल करना एक अहम कदम साबित हो सकता है। शहरी विकास मंत्रालय को इस मामले में निगरानी करने और मौजूदा जरूरतों के मुताबिक भवन निर्माण के उपनियमों में इसे शामिल करने की जरूरत पर जोर देने को कहा गया है।

वयस्क एडिस मच्छरों को धुआं फैला (फॅगिंग) कर मारा जा सकता है। घरों के अंदर पाइरेथरम स्प्रे का इस्तेमाल किया जा सकता है। डीजल के साथ मिला कर मालाथियन टेक्निकल मिला कर घरों के बाहर फॅगिंग की जा सकती है। सिफेनोथिन पांच फीसदी से मिले रसायन का छिड़काव घर के बाहर और भीतर फगिंग के जरिये किया जा सकता है। फॅगिंग या धुएं का छिड़काव अमूमन महामारी फैलने में किया जाता है। डेंगू के मामलों में छिड़काव किया जा सकता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक ज्यादातर देशों में डेंगू के फैलने पर इस तरह का छिड़काव किया जाता है।

डेंगू के फैलने से रोकने और मच्छरों को मारने के लिए फॅगिंग का इस्तेमाल किया जाता है। यह छिड़काव प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरों के लार्वा को मारने के लिए किया जाता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 400 – 500 के मीटर के दायरे में एक सप्ताह में छिड़काव किया जाता है।

हालांकि मच्छरनाशक रसायनों के छिड़काव की गाड़ियों में डीजल का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन जिस तापमान पर डीजल मच्छर नाशक रसायनों से मिलता है वह धुएं के तौर डीजल के जलने के तापमान से कम होता है। यह धुएं के सफेद और वाहन के काले धुएं से पता चल जाता है। जल्द अलग हो जाने वाला यह सफेद धुआं हानिकारक नहीं होता है और डेंगू जैसी बीमारियों में इसके छिड़काव की सिफारिश की जाती है।

धुएं का छिड़काव भोर या गोधूलि में करने की सिफारिश की जाती है। इस समय तापमान अपेक्षाकृत कम होता है और वयस्क एडिस मच्छर इस दौरान ज्यादा सक्रिय होते हैं।

(साभार पसूका)

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राम स्वरूप पुत्र स्व. तुलसी राम उम्र 83 वर्ष गांव व पो.ओ. कोलर, तह. पांवटा साहिब, जिला सिरमौर का रहने वाला हूँ तथा घोषणा करता हूँ कि मैं –

1. यह कि मेरी कोलर, धौलाकुंआ और जामनीघाट तह. पांवटा साहिब में जमीन जायदाद है।

2. यह कि मेरे दो पुत्र राकेश कुमार और नरेश कुमार हैं जो दोनों ही शादीशुदा हैं। मेरा पुत्र नरेश कुमार और उसकी पत्नी ऊषा देवी मेरी देखभाल करते हैं। मेरा दूसरा पुत्र राकेश कुमार और उसकी पत्नी सुनीला पिछले 10 वर्षो से मेरी कोई देखभाल नहीं कर रहे हैं। वह मुझे खाना और कपड़ा तक नहीं देते और मेरे साथ मारपीट व दुर्व्यवहार करते हैं और कई झूठे आपराधिक मुकद्दमें भी उन्होंने मेरे उपर किये हुए हैं और मुझे जान से मारने की धमकी देते हैं।

3. यह कि मेरा अपने पुत्र राकेश कुमार और उसकी पत्नी सुनीला से कोई विश्वास नहीं है इसलिए मैं उन्हें अपनी तमाम जमीन जायदाद से बेदखल करता हूँ जो कोलर, धौलाकुंआ जामनीघाट तह.पांवटा साहिब व अन्य कहीं भी स्थित हैं, मेरी मृत्यु के बाद मेरे इस पुत्र राकेश कुमार का उससे कोई लेना देना नहीं रहेगा। इस विज्ञापन के माध्यम से समस्त जनसाधारण को यह भी सूचित करता हूँ कि मेरे इस पुत्र राकेश कुमार और उसकी पत्नी से किसी भी तरह का लेने–देन न करें, मेरी कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी।

राम स्वरूप
पुत्र स्व0तुलसी राम
उम्र लगभग 83 वर्ष
गांव व पो.ओ.कोलर,
तह.पांवटा साहिब, सिरमौर।

सदस्य बाल क्लब

आयुष

नामः आयुष बंसल
जन्मः 26/3/2017
माता/पिताः श्रीमती मिनाक्षी / श्री मनीष बंसल
नाना/नानीः श्री कैलाश चंद मित्तल
दादा/दादीः श्री आदर्श बंसल/श्रीमती दया राम बंसल
मामा/मामीः मि0 सोनू मित्तल/मिसेज नेहा
चाचाः विशाल बंसल
बहनः नंदिनी, गुनिका
बुआ/फूफाः मिसेज़ शालिनी/मि. दीपक गर्ग
कक्षाः प्ले ग्रुप
मित्रः कक्षा के सभी बच्चे
स्कूलः किड्स पैराडाईस प्ले स्कूल
सबसे ज्यादा प्यार करती हैंः मम्मी
बडे होकर बनेंगे –आदर्श नागरिक
खाने में पसन्दः मक्खन, दूध और बिस्किल, रोटी
अच्छा लगता हैः खेलना दौड़ना
पताः 36/3 महताब गली बद्रीनगर पांवटा साहिब।

हिमाचल निर्माता -राष्ट्र गौरव डॉ. यशवन्त सिंह परमार

एक गरीब मुख्यमंत्री

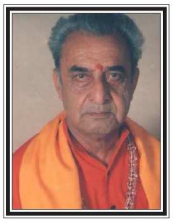

❖ आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ
"पहाड़ी मृणाल"

'हिमवन्ती' के पाठक पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल के प्रसिद्ध साहित्यकार ब्रह्मलीन आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ के आलेख, कविता, कहानी परक सत्साहित्य का रसास्वादन करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

आचार्य वशिष्ठ जहाँ लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार रहे हैं, वहीं अपनी आराधना, साधना व तपोनिष्ठ जीवन के कारण अध्यात्म जगत् में गुरु पद प्रतिष्ठित भी रहे हैं। अपने इस साधनाकाल में उन्होंने कई ऐसे चमत्कार अथवा कृपाएँ देखी हैं जिन पर सहज विश्वास कर पाना सरल नहीं।

वशिष्ठ जी ने हिमाचल निर्माता -राष्ट्र गौरव डॉ. यशवन्त सिंह परमार" पुस्तक भी स्वयं लिखी है जिसे वशिष्ठ जी ने बड़ी खूबसूरती से प्रस्तुत किया है वह अति उत्तम है। अपने इस धारावाहिक में हम वशिष्ठ जी की इसी विशेष पुस्तक से पाठकों से परिचित करवा रहे हैं-

-सम्पादक

वह बुजुर्गों का बहुत आदर करते थे। कोई वृद्ध या वृद्धा यदि उनके पाँव छूने का प्रयत्न करता तो झुकने से पहले ही उसे वह अपनी बाहों में ले लेते। प्यार से हाल-चाल पूछते। डॉ. परमार उनके लिए भगवान थे। मैंने खुद देखा किसी के फटे कपड़े या गरीबी देखकर उनके नयन सजल हो जाते। डॉक्टर परमार को प्रदेश के ज्यादातर लोगों ने इतना प्यार दिया, इतना प्यार दिया कि कई बार डॉ. परमार अपनी खुशी के आसूँ छुपाने के लिए तुरन्त रूमाल निकालकर क्षण भर के लिए आँखों पर रख लेते। मैंने उनके दुःख के आसूँ भी देखें हैं। चेहरे पर लाली के स्थान पर पीड़ा भी देखी है परन्तु केवल एक बार जब कर्मचारी हड़ताल पर थे। पंजाब पे स्केल देने की उनकी मजबूरी थी, वह केन्द्र को बार-बार आग्रह कर रहे थे। इधर ऐसे नारे लग रहे थे जिसमें उनके तथा उनकी माताश्री के खिलाफ गंद उछाला जा रहा था। डॉ. परमार कर्मचारियों तथा देशा के युवाओं को अपने पुत्र जैसा समझते थे। पिता अपने बेटों की करतूतों से बहुत व्यथित थे। उनकी आँखों में छिपे वे आसूँ उनके भीतर छिपी पहाड़ जैसी पीड़ा के गवाह थे। मैं और मेरे सहयोगी कुंवर शैलेन्द्र सिंह पंवार उनसे मिलने बागथन गए। मुझसे बातचीत के दौरान उस पीड़ा के मैंने दर्शन किए थे। पिता दुःखी था, बेटे नारे लगा रहे थे।

डॉ परमार में अनेकों गुण थे। वह लोह पुरुष थे। इरादे के एकदम पक्के, जुबान के धनी परन्तु उनकी बड़ी एक कमजोरी भी थी। वह यह कि किसी के आँखों में आसूँ देखकर बहुत जल्दी दुःखी हो जाते थे। हिमालय की बर्फ की तरह पिघल जाते थे। उनके अपने नयन भी सजल हो जाते थे। हाँ आसानी से किसी को क्षमा करना या उनके प्रति किसी ने अभद्र व्यवहार किया भी हो या कोई खराब बात कही हो उसे भूलना उन्हें आता था। कड़वी बात याद नहीं रखने का गुण भी उनमें था। दूसरे को मुसीबत में देखकर वे व्याकुल हो जाते थे।

डॉ. परमार ने किसी पुत्र या करीबी रिश्तेदार को उच्च पद नहीं दिया, उनकी सिफारिश नहीं की। वह अपनों से पहले दूसरों का ध्यान रखते थे। सत्ताधारी या बलवान किसी को नुकसान नहीं पहुँचाए तो इसे आप क्या कहेंगे। उसकी विशाल हृदयता, दरियादिली ही कहेंगे ना? डॉ. परमार इस प्रकार महासागर जैसे थे। नाहन शहर में एक डाक्टर थे। पक्के कांग्रेसी। नया बाज़ार में रहते थे। नाम था डॉ. देवेन्द्र सिंह। उन्होंने एक बार बातों-बातों में मुझसे कहा, 'वशिष्ठ जी, जानते हो डॉ. परमार किसको कहते हैं।' मैंने कहा, 'बताइए।' बोले, 'डॉ. परमार उसे कहते हैं, मित्र को जिससे लाभ नहीं हो, शत्रु को जिससे कोई भय नहीं हो, हानि ना हो'। बात शत-प्रतिशत सच है। उन्होंने अपने मित्रों, रिश्तेदारों को कोई लाभ नहीं पहुँचाया। किसी को भय नहीं दिखाया, किसी को हानि नहीं पहुँचाई। वरना देखा जा रहा है कि जो सत्ता में आता है वह अपने से पहले सत्ता में रहे व्यक्ति को या विपक्ष के किसी व्यक्ति को अथवा किसी ऐसे व्यक्ति को जिससे घरेलू रंजिश हो उसको नुकसान पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ता। उनमें यह अवगुण नहीं था। वह गुणी थे।

ठाकुर सैन नेगी हिमाचल प्रदेश में चीफ सेक्रेटरी थे। रिटायर हुए तो सियासत में आ गए। बहुत काबिल आदमी थे। वह हिमाचल प्रदेश विधानसभा में अध्यक्ष भी रहे। विपक्ष में थे। बड़े लीडर थे। किन्नौर के रहने वाले थे। वहाँ तो नेगी जी का देवता जैसा सम्मान किया जाता था। परवाणु में एक बार मेरी उनकी मुलाकात हुई। मुझे बहुत अच्छी तरह जानते थे बातों-बातों में डॉ. परमार की बात चल पड़ी तो ठाकुर सेन नेगी बोले,' वशिष्ठ जी हम विपक्ष में बैठकर कुछ भी बोलें, सरकार का कान इधर से पकड़ें या उधर से पकड़ें लेकिन एक बात जरूर है कि हम डॉ. परमार को किसी भी प्रकार भ्रष्टाचारी या बेईमान कह ही नहीं सकते। बोले, डॉ. परमार अव्वल दर्जे के ईमानदार हैं और सादा मिजाज है।' विपक्ष के सशक्त नेता से यह सुनकर मुझे बेहद खुशी हुई। नेगी स्वयं भी बहुत ही ईमानदार एवं श्रेष्ठ व्यक्ति थे।

डॉ. परमार ने अपनी पहली भार्या श्रीमती चन्द्रावती परमार के निधन के पश्चात् दूसरा विवाह किया। उनकी दूसरी भार्या श्रीमती सत्यावती डॉग का भी पहले विवाह हो चुका था। वे कांग्रेस पार्टी में डॉ. परमार के साथ-साथ कार्य करती थीं। प्रदेश कांग्रेस प्रजीडेंट तथा सांसद रह चुकी है। डॉ. परमार से विवाह के पश्चात् वह सत्यावती डॉग से श्रीमती सत्यावती परमार बन गई। वह विदुषी है, हँसमुख हैं, गरीबों तथा असहायों के प्रति उनके मन में स्नेह है। वह सुन्दर, आकर्षक कद की और बहुत विनम्र महिला हैं। तब पूरे देश में और उत्तरी भारत में खासकर इस विवाह की खूब चर्चाएँ हुई थीं। कोई कहता था डॉ. परमार ने अच्छा किया शादी कर ली, आखिर अकेलेपन में कोई साथी तो होना ही चाहिए जिससे मन की बात कह सकें। चर्चाएं चलीं और धीरे-धीरे समाप्त हो गई। परन्तु यह शत-प्रतिशत सत्य है कि यदि यह सत्या जी डॉ. परमार के आखिरी दिनों में उनके साथ नहीं होती तो डॉ. परमार की हालत बहुत ही खराब होती। सत्या जी ने डॉ. परमार की बीमारी की हालत में जितनी सेवा की उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। सत्या जी रातों जागी हैं, उनकी पूरी कोशिश रही डा. परमार की सेवा की जाए। इस सेवाभाव के कारण लोगों के मन में सत्या जी का मान-सम्मान और भी बढ़ गया। घर के सदस्यों ने तो बहुत सेवा की ही थी।

जो मुख्यमंत्री बस में सफर करे, आर्थिक रूप से तंगदस्त हो, रहने को साधारण सा, बहुत ही छोटा सा घर हो, पहनने को कपड़े महँगे ना खरीदता हो, बैंक बैलेंस ही ना हो, जिसके बेटे साधारण घर और साधारण नौकरी या कार्यों में हों, वह मुख्यमंत्री गरीब नहीं है तो और क्या है। उस शरीफ तथा गरीब मुख्यमंत्री मगर दिल के बादशाह मुख्यमंत्री को आज हम भीगी पलकों से याद करते हैं। वह हिमाचल के निर्माता, प्रदेश के हिम रतन तथा राष्ट्र के गौरव थे।

पाठक मुझे क्षमा करें, मेरी बात अभी खत्म नहीं हुई है। मेरी बात जारी है.....।

AVAILABLE FOR RENT

Newly constructed villa with good ambience in the Posh area of **Shubkhera** is available for the Guest House/ Individual use of P.G. "Accommodations is of 05 fully furnished AC bed rooms with attached wash room".

Common lobby, Modular kitchen with fridge & gas stove and parking facility with separate entry.

" If Interested please contact"
MANMIT SINGH
Cont: 9805070502

औषधीय खेती के लिए आगे आएं किसान

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को हर्बल राज्य बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी दिशा में दो वर्ष पूर्व शुरू किए गए महत्वाकांक्षी 'जन-जन संजीवनी वन' अभियान नामक औषधीय पौधरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के प्रत्येक ग्रामीण व शहरी परिवारों को 5000 पौध वितरण केन्द्रों के माध्यम से औषधीय प्रजाति के 15 लाख से अधिक पौधे वितरित किए गए। इसी श्रृंखला में एक अन्य औषधीय पौधरोपण कार्यक्रम, 'अपना वन-अपना धन' आरम्भ किया गया जिसके माध्यम से सांझा वन प्रबन्धन समितियों को सम्मिलित कर प्रदेश में वृहद स्तर पर औषधीय पौधरोपण किया जा रहा है।

'सांझा वन - संजीवनी वन' योजना के अन्तर्गत राजगढ़ वन मंडल की खैरी, डिम्बर तथा मटनाली वन पौधशालाओं में ऐलोवेरा, आंवला तथा बेहड़ा आदि औषधीय प्रजाति के पौधे तैयार किए गए।

राजगढ़ वन मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने यहाँ स्थापित डवलपमेंट एजेंसी समितियों को सम्मिलित कर औषधीय प्रजाति के विस्तार व इनसे प्राप्त होने वाले लाभों के विषय को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। जिससे प्रेरित होकर वर्ष 2009 में तीन पौध रोपणियों के माध्यम से लगभग 15 हैक्टेयर क्षेत्र में औषधीय पौधरोपण किया गया जिसमें एलोवेरा के लगभग 11000, ऑवला के 4200 तथा बेहड़ा के 400 पौधे सफलता पूर्वक रोपित किए गए। इस समय एलोवेरा के इन पौधों में लगभग 20 क्विंटल पत्तियां, विपणन हेतु तैयार हैं। इन्हें पंतजलि योगपीठ, हरिद्वार को भेजने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। यहाँ इन पत्तियों के रस एवं अन्य भागों के उपयोग से अनेक प्रकार की जीवनोपयोगी दवाईयां तथा प्राकृतिक सौंदर्य प्रसाधन तैयार किए जाते है।

राजगढ़ वन मंडल के अग्रिम पंक्ति के वन कर्मियों द्वारा किसानों को, विशेषकर, बन्दर प्रभावित क्षेत्रों में औषधीय प्रजाति 'एलोवेरा' के पौधरोपण हेतु प्रेरित व तकनीकी जानकारी दी जहा रही है जिसके लिए नैनाटिक्कर व बागथन क्षेत्रों के किसान आगे आए हैं। ऐसा पाया गया है कि बन्दर, एलोवेरा को खाद्य के रूप में पसंद नहीं करते। इस जानकारी के प्रचार-प्रसार से बन्दर प्रभावित क्षेत्रों में किसानों ने राहत की सांस ली है और वे औषधीय खेती को अपनाने के लिए आसगे आ रहे हैं।

राजगढ़ वन मंडल के राजगढ़ व सरां वन परिक्षेत्रों की पौधशालाओं में, इस समय, एलोवेरा के लगभग 18 हजार पौधे, पौधरोपण हेतु तैयार हैं, जिन्हें 'सांझा वन-संजीवनी वन' तथा 'अपना वन- अपना धन' पौधरोपण कार्यक्रमों के तहत, वन समितियों तथा लोगों को, उनकी बेकार व बंजर पड़ी निजी भूमि में पौधरोपण हेतु आबंटित किया जायेगा।

बन्दर समस्या से निजात पाने की प्रक्रिया में किसानों द्वारा ऐलोवेरा लगाने व अपनाने का यह प्रयोग यदि सफल होता है, तो इसका विस्तार प्रदेश के इसी प्रकार के अन्य क्षेत्रों में भी किया जाएगा। इससे जहाँ एक ओर औषधीय पौधरोपण व हरित आवरण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं लोगों की अपघटित होती जमीन में सुधार के साथ-साथ उन्हें आय का एक अतिरिक्त साधन भी प्राप्त होगा।

डायबिटीज में उपयोगी 30 औषधीय पौधे एंव 20 योगासन

डायबिटीज एक ऐसा रोग हैं जो मानव- शरीर में इंसुलिन नामक हार्मोन की कमी के कारण होता हैं। यह हार्मोन अग्नाशय नामक ग्रंथि द्वारा सावित होता हैं। यह ग्रंथि मनुष्य के आमाशय के ठीक नीचे तथा ग्रहणी के ठीक ऊपर स्थित होती हैं तथा इसकी बीटा कोशिकाओं द्वारा इंसुलिन हार्मोन उत्पन होता हैं, जो रक्त में ग्लुकोज की मात्रा को नियन्त्रित करता हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार लगभग 18 करोंड़ से ज्यादा लोग विश्व भर में डायबिटीज से पीड़ित हैं। डायबिटीज रोग प्राचीन काल से ही सर्वविदित हैं। आयुर्वेद में इसका विवरण प्रमेह के अन्तर्गात मिलता हैं तथा आयुर्वेदिक चिकित्सकों को इसका ज्ञान 3000 वर्ष पहले से ही था। डायबिटीज मेलाइट्स शब्द ग्रीक भाषा के डायबिटीज शब्द से हैं, जिसका अर्थ हैं सायफन यानी बहना और मेलाइट्स का अर्थ हैं मीठा।

डायबिटीज के प्रकार:-1. टाईप एक: (इंसुलिन निर्भर डायबिटीज) इस प्रकार का डायबिटीज बच्चों तथा कम उम्र के वयस्कों में होता हैं। इस रोग में रक्त में इंसुलिन हार्मोन बिल्कुल नही होता हैं, शुगर की मात्रा बढ़ जाती हैं जिसको नियंत्रित करने के लिए इंसुलिन के टीके की जरूरत पड़ती हैं। अन्यथा मरीज बेहोश हो जाता हैं और कोमा में चला जाता हैं। इस स्थित को डाबिटीज कोमा कहते हैं। इसका मूल कारण अभी तक ज्ञात नही हैं।

2.टाईप दो:- (बिना इंसुलिन निर्भर डायबिटीज) यह बीमारी इंसुलिन निर्भर डायबिटीज की तुलना में कम गंभीर होती हैं और अधिकतर वयस्क लोंगों में ही पाई जाती हैं। सभी डायबिटीज ग्रसित रोगियों में से दो तिहाई रोगी बिना इंसुलिन निर्भर डायबिटीज के होते हैं। इस रोग का मुख्य कारण शरीर में अपर्याप्त इंसुलिन हार्मोन का होना अथवा पर्याप्त मात्रा में होने के बाद भी शरीर की कोशिकाओं द्वारा इसका उपयोग नहीं कर पाना हैं।

डायबिटीज के कारण:- 1. मोटापा व विलासितापुर्ण जीवन
2. अनुवाशिंक रूप में माता-पिता से बच्चों में आना।
3. अत्यधिक मानसिक तनाव।
4. पियूष ग्रन्थि ,थॉयराइड तथा अधिवृक्क ग्रन्थि की विकृति।
5. गर्भ-निरोधक गोलीयों व स्टीरायड इत्यादि दवाओं का अत्यधिक सेवन।

डायबिटीज के लक्षण:- बार-बार पेशाब आना, बहुत प्यास लगना,अधिक भुख लगना, वजन कम होना या गैंगरीन में परिवर्तित होना, थकान व शिथिलता,मुँह सूखना, घावों का जल्दी ठीक होना,ऑखों से धुंधला दिखाई देना तथा चश्मे का नंबर बढ़ना ,गुप्तागों के आस-पास खुजलाहट होना,हाथ-पैरों का सुन्न होना तथा कभी-कभी चीटियॉ चलने जैसा प्रतीत होना त्वचा तथा मसूड़ों में विकार होना,मूत्र पर चींटी इकट्ठा हो जाना ,यौन दुर्बलता व नपुंसकता,बेहोशी आना।

डायबिटीज में उपयोगी पौधे:-

वच,बेल,प्याज, लहसुन, घृतकुमारी, शरीफा, लज्जालू, सदाबहार, ऑवला, नीम, वट, वृक्षपीप, रामतिल, गुड़हल, काली सारिचा, बघेरन।

SALE

सबसे अधिक वैरायटी, सबसे उचित दाम

पांवटा हैंडलूम हाउस

करो योग रहो निरोग

मात्र 150 में आधुनिक डिजाइनों वाला पर्दा प्राप्त करें।

58 Main Road, Near O.B.C. Bank, Main Bazar
Paonta Sahib Distt. Sirmour (HP).
Mob:- 9805475588, 8219838156

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें

SALE

❖ पर्दे
❖ सोफा क्लाथ
❖ सोफा कवर
❖ पर्दे पाईप
❖ कारपेट
❖ रैक्सीन
❖ पी.यू. फोम
❖ टेबल क्लाथ
❖ सोफा मटीरियल
❖ डायनिंग एवंसेंटर
❖ सोफा कुशल
❖ गद्दे
❖ बैड शीट
❖ पायदान
❖ फ्लोरिंग
❖ तकिए

हिमवन्ती की बात

सत्ता संघर्ष अभी थमा नहीं

हालांकि हाल ही में हुए हरियाणा व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में होकर उभरी है लेकिन इसके बावजूद यह परिणाम भाजपा के अनुकूल नहीं कहे जा सकते क्योंकि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने भी इन चुनावों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। हरियाणा और महाराष्ट्र दोनों में ही अमित शाह के साथ–साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी चुनावी मैदान में कूदने के लिए विवश होना पड़ा। दोनों ही सूबों में अपने बलबूते सरकार बनाने का जो सपना भाजपा ने देखा था वह टूटता नज़र आ रहा है। हरियाणा में कुल 90 सीटों में से 75 पार का नारा सभी भाजपा के आला नेता कर चुके थे इसके विपरीत उन्हें 40 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। यही नहीं अपने आपको साफ सुथरी पार्टी कहने वाली भाजपा को भ्रष्टाचार में बंद नेता की पार्टी जजपा के साथ भी हाथ मिलाने के लिए मजबूर होना पड़ा और इस पार्टी को उप मुख्यमंत्री सहित तीन अन्य मंत्री पद भी देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

महाराष्ट्र में भी आशा के अनुरूप भाजपा को जीत हासिल नहीं हुई और अब शिव सेना के साथ मिलकर जो उन्होंने चुनाव लड़ा था उस गठबंधन में भी काफी कड़वाहट आ गई है और शिव सेना व भाजपा के नेता एक दूसरे पर काफी आक्रमक हो गये हैं। भाजपा का सपना सत्ता पर किसी न किसी तरह काबिज होने का है इसलिए भाजपा शिव सेना में फूट डालने की भी इच्छुक है और भाजपा के एक राज्य सभा सांसद संजय काकड़े तो शिवसेना में तोड़फोड़ कर सरकार बनाने की इच्छा रख रहे हैं क्योंकि शिव सेना के अडियल रूख के कारण दोनों दलों में सरकार बनाने के लिए सहमति भी हो गई है। शिव सेना और भाजपा दोनों के बीच ही सत्ता को लेकर संघर्ष चरम सीमा पर पहुँच गया है। शिव सेना के पास सीटों का काफी कम आंकड़ा है इसके बावजूद वह सत्ता में बराबर की हिस्सेदार बनना चाह रही है और तिखी बयानबाजी कर रही है। भाजपा आलाकमान भी शिवसेना की तिखी बयानबाजी से काफी खफा है और इसीलिए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने अपना मुम्बई दौरा भी फिलहाल रद्द कर दिया है।

शिव सेना और भाजपा के बीच जो गुथम गुथा चल रहा है उससे तो यह बात साफ हो गई है कि नई सरकार के गठन की फिलहाल कोई गुंजाइश दिखाई नहीं दे रही है। दोनों ही पार्टियां छोटे–छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों पर नजर लगाए हुए है और अपने –अपने स्तर पर डोरा डालने में लगे हुए हैं। शिव सेना जहाँ सत्ता में जहाँ बराबर की भागीदारी मानने से कम तैयार नहीं है वहीं भाजपा भी अब सी.एम. का पद शिव सेना को देने के लिए तैयार नहीं है।

यदि शिव सेना मुख्यमंत्री पद से अपनी दावेदारी छोड़ भी देती है तो भी उसकी इच्छा तो यह अवश्य लग रही है कि वह मंत्रिमंडल में अपने कुछ अधिक सदस्यों को भेजना व अहम पदों पर अपनी पार्टी के लोगों को बिठाना चाहेगी और इसीलिए पूरी सौदेबाजी चल रही है। इसी बीच एनसीपी ने भी भाजपा शिव सेना की सरकार न बनने की स्थिति में सरकार बनाने पर विचार किया जायेगा कहकर सनसनी फैला दी है चूंकि शरद पवांर तो यह कह चुके हैं कि वह शिव सेना के साथ किसी भी तरीके का गठबंधन नहीं कर सकते लेकिन एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता नवाब मलिक ने

– अरविन्द गोयल

हिम हिमवन्ती

के संवाददाता बने

इच्छुक व्यक्ति निम्न पते पर सम्पर्क करें।

हिमाचल, उत्तरांचल , उत्तर प्रदेश, दिल्ली व देश के अन्य प्रदेशों के लिए संवाददाता व विज्ञापन व्यवस्थापकों की आवश्यकता है।

व्यवस्थापक

हिमवन्ती मीडिया

वार्ड प्वाइंट, पावंटा साहिब (हि.प्र).

फोन :01704-318724, फैक्स 225724

Email :

himwantimedia@gmail.com

हिमवन्ती में वर्गीकृत, वैवाहिक तथा सजावटी सभी विज्ञापनों के लिए अलग-अलग रियासती दरें निर्धारित हैं।

वनस्पति चर्चा

आंत्र पुच्छ शोध (एपेन्डेसांईटिस)

पं.गौरी प्रसाद
पूर्व मंत्री

आंत्र पुच्छ अर्थात आंत की पुच्छ लघु अंग जहां पूरा होता है वहां से वृहदान्त शुरू होती है, यह दोनों आंते जहां मिलती हैं उसके करीब दो अंगुल दूर वृहदान्त पर यह आंत्र पुच्छ लटका रहता है उसका आकार बकरी (अजा) के गले पर जो आंथल होता है जैसा लगता है । आंत्र पुच्छ का वैसे कोई स्पष्ट उपयोग नहीं है परन्तु शस्त्र क्रिया से उसे दूर किये जाने पर उसकी अनुपस्थिति में पाचक यन्त्र में गडबड़ी जरूर होती है। उसका दूसरा उपयोग भले ही नहीं किन्तु जब हम ज्यादा खाते हैं और अजीर्ण हो जाती है तो इससे उपरान्त में सूजन हो जाती है और वेदना हो जाती है इस तरह हमें चेतावनी मिलती है । पेट में अव्यवस्था की चेतावनी देने वाला पाचन तन्त्र का कोई अंग नही रहता है अतः इस आंत को निकाल देना अनुचित है । अतः इसे पैदा ही न किया जाये और इसके लिए हितकरमित भोजन पर संतोष रखना चाहिए । जब–जब भी हम ज्यादा खाते हैं तो इससे पाचन तन्त्र का कार्य ठप्प हो जाता है और अजीर्ण व आंत्र दोष पैदा हो जाता है, तब पाचन तन्त्र की व्याधि शुरू हो जाती है । आंत्र पुच्छ ऐसी ही एक व्याधि है । ऊपर में उत्पन्न हुए आम दोष से आंत्र पुच्छ के ऊपर प्रभाव होता है और आंत्र पुच्छ में सूजन आती है अतः इसे आंत्र पुच्छ शोध व्याधि कहा है ।

कारणः–

सामान्यतः यह युवा अवस्था में अहितकर खाद्य पदार्थो के सेवन से और अजीर्ण पैदा होने से होती है, जिसके निम्न कारण हैं :–

सूखकर कठिनता को प्राप्त मल आंत्र पुच्छ शोथ पैदा करता है । कभी विषाणु शरीर में गलायु जैसी व्याधि का पूरा यहां पहुंचने पर आंत्र पुच्छ शोथ होती है ।

आहार– अरहर दाल, चने, मूंगफली के दाने, गुठली वाले फलों को गुठली समेत निगलने से विशेषकर कटहल फल को गुठली समेत खाने से, भोजन में चने, मूंगफली आदि के दोनों को पूरी तरह चबाए बिना खाने से आंत्र पुच्छ में फंसकर सूजन होती है ।

लक्षणः–

इस व्याधि में किसी भी पूर्व रूप के लक्षण प्रकट हुए एक दम उदर के दायें भाग में असहाय शूल उत्पन्न होती है ।

रोगी नाभि के नीचे दबाकर सिकुड़ कर लेट जाता है और वेदना से ग्रस्त होता है।

उदर में वेदना नाभि के करीब चार अंगुल नीचे दाहिनी ओर होता है ।

एक दम एक या दो उल्टी होती है। रोगी को मलावरोध हो जाता है। इस रोग की भलीभान्ति जांच कराने के लिए वेरियम मील एक्सरे प्लेट निकालनी चाहिए ।

रोगी को ज्यादा सूजन हो, पका हुआ हो, पूव हो गया हो तो वेदना स्थान पर रक्त वर्ण त्वचा हो जाती है । रोगी को हल्का सा बुखार आता है । यह अवस्था असाध्य है ।

यह वेदना अधिकतर रात को होती है ।

इतना न करें :–

इस रोग में मलावरोध होने पर विरेचन और वस्ति प्रयोग निषेध हैं ।

वेदना स्थान पर तेल आदि की कोई मालिश न करें । इससे वेदना बढ़ती है ।

इस समय किसी वेदनाहर औषधि का प्रयोग न करें, इससे नुकसान होने की संभावना होती है ।

इतना अवश्य करें :–

इस रोग का आक्रमण होने पर खाना एक दम बंद कर दें, पूर्ण आराम करें। हिलना–जुलना भी बंद रखें।

रोगी वेदना अल्प हो तो सेक कर सकते हैं। इस उपरान्त शंखवटी शिवा क्षाद पाचन चूर्ण भी ले सकते हैं ।

रोगी को जरूरत पड़ने पर फलों का रस, मूंग का पानी, चाय, कॉफी तुरन्त आहार दे सकते हैं ।

वेदना बंद होने के बादः– वेदना बंद होने पर रोगी को दो दिन उपवास करावें, उपवास में कुछ भी आहार फलाहार नहीं करना चाहिए। उपवास के बाद मूंग की दाल का पानी, मूंग की दाल चावल, शाक के सूप लघु आहार देना चाहिए । पूर्ण स्वस्थ होने पर थोड़ा लघु आहार देना चाहिए।

चिमकादिवटी की 2–2 गोली 3 बार जल से देते रहें।

इन्द्र के विचार

लक्ष्मी पुजे धन मिले , गुरु को पुजे ज्ञान !
माँ .बाप को पुजे सब मिले , हो जाए कल्याण !!
माँ वह रोशनी है,
जो घर पर साथ रह कर
रास्ता दिखाती है!
पिता वह प्रकाश है
जो दुर रह कर भी
अनुशासन सिखाता है!!

इन्द्र प्रकाश गोयल

कांगड़ा में वृंदा श्राप से ब्रह्मा विष्णु तथा महेश तीनो को माता बज्रेश्वरी द्वारा मुक्ति मिली थी

-जयदेव विद्रोही

समुद्र पुत्र दैत्यराज जालन्धर अत्यंत बलशाली था । इसके अतिरिक्त उसने कामादि विकारों को त्यज कर बारह वर्ष तक भगवती बज्रेश्वरी की पुरश्चरण अराधना की थी , जिसका उल्लेख जालंधर पुराण में ऐसे हैं –

समुद्र –स्निधो स्थित्वा देवी वज्रेश्वरी शिवा। अनैन दैत्यपरयेंण सेवितास्ति यथाविधि।।

भगवती ने उसे सभी विभूतियों का स्वामी बन जाने का वरदान दिया । देवी से वरदान पाकर दैत्यराज जालन्धर ने स्वर्ग पर चढाई कर अपना अधिकार कर लिया । वहां से लूटी संपदा को पात्र लोगों में बांट दिया , यहां तक कि कामधेनु भी देवगुरु वृहस्पति को सौंप दी । इंद्र पत्नी मारे डर के जो कुमुदवन में छिपी हुई थी उसे दैत्यों ने पकड़कर जालन्धर के सम्मुख पेश किया तो जालन्धर ने उसे माँ का दर्जा पूजा अर्चना करके स्वर्ग का राज्य समर्पित कर दिया । इस व्यवहार से देव गुरु वृहस्पति अति प्रभावित हुए ।

उधर स्वर्ग पर हुई चढाई के कारण कुपित भगवान शिव ने जालन्धर को बुलावा भेजा परन्तु वह नहीं आया उसके इस निरादर पर उन्होंने जालन्धर पर धावा बोल दिया परंतु जालन्धर ने यु) मे उनकी सेना का संहार कर डाला तथा शिवजी और विष्णु को जालन्धर ने पकड़ लिया । डर के मारे सभी देवता माँ वज्रेश्वरी की शरणागत हो गये । तभी जालन्धर भी भगवान शिव तथा विष्णु को पकड़ कर वहां पहुंच गया। जालन्धर के डर से वहां पहले ही ब्रह्मा जी देवी की शरण मे थे तथा उसने उन्हें भी पकड़ लिया। पश्चात ब्रह्मा विष्णु तथा महेश को जमीन पर पटक डाला । अपने शिष्य जालन्धर की इस हरकत पर देवी को बड़ा गुस्सा आया । देवी ने कहा तुमने संसार का निर्माण ,पालन और संहार करने वाले तीनो देवताओं का अपहरण कर उन्हें मेरे ही सामने भूमि पर पटका है इस दुर्दयव्हार के कारण मैं तुम्हे श्राप देती हूं कि तुम इन्ही के हाथों मारे जाओ।

देवी प्रदत शक्ति के कारण तीनो देवों ने जालन्धर को छल से मार डाला ।जालन्धर को मारने के उपरांत तीनो देवों ने जालंधर पीठ को पापों का नाश करने वाला बताया । इसी क्षेत्र में प्राण छोड़ने वाले को सीधे स्वर्ग मिलेगा । सती सावित्री देवी वृंदा जालन्धर की पत्नी को जैसे ही कपटपूर्ण रूप से हुई अपने पति की हत्या का पता चला तो उसने भी इन तीनो को अलग अलग श्राप दे डाले । भगवान शिव को वृंदा ने श्राप देते हुए कहा कि जैसे मैं सती हो रही हूं वैसे तुम्हारी पत्नी भी सती हो जाये और इस श्राप की .... दक्ष प्रजापति के यज्ञ में शिव पत्नी का सती होने का यज्ञ कुंड में आत्मदाह करना था ।

पहले ब्रह्मा जी की गणेश जी की ही किसी भी अनुष्ठान से पूर्व तरह अग्रिमपूजा होती थी । सती होने से पूर्व वृंदा ने ब्रह्मा जी की अग्रिपूजा को समाप्त करने का श्राप दे डाला । विष्णु इसी तरह अगला श्राप विष्णु जी को मर्याद्राहीन बना डाला । विक्षिप्त विष्णु वृंदा के सती होने पर उसके रूप यौवन पर इतने दीवाने हो गए कि उसकी चिता की भस्म को अपने शरीर पर मलते और श्मशान में ही रहने लगे थे । जिसका उदाहरण निम्नलिखित शलोक है –

वृंदा –शापेन श्रीनाथः साम्प्रतं तु पिशाचवच ।
भूमौ क्रीडति , साध्वीनां वचनं न मृषा क्वचित ।।

वृंदा द्वारा अभिशप्त तीनो देव ब्रह्मा विष्णु और महेश के परित्राण हेतु सभी देवी –देवताओं द्वारा भगवती के पास जाकर श्राप मुक्ति और संसार की स्थिति को यथावत स्थिर रखने के लिए निवेदन करने लगे जिस पर देवी ने कहा कि विक्षिप्त विष्णु द्वारा जब तक बाणगंगाद्धवर्तमान बनेर नदी ऋ के पवित्र तट पर भगवती त्रिपुरा सुंदरी की आराधना नहीं की जाती स्मृति नहीं लौटेगी और वृंदा की याद आती ही रहेगी । देवी ने यह भी बताया कि चक्रकुण्ड वही स्थान है जहां युद्ध में दैत्यराज जालन्धर का नेत्र गिरा था , देवी ने यह भी कहा था कि वृंदा के वियोग में पागल हुए विष्णु को बाण गंगा के स्नान के उपरांत चक्रकुण्ड में भी नहाना पड़ेगा । प्रशन यह था कि विष्णु को वहां तक पहुंचाया कैसे जाए ? तब जैसे कैसे सभी ने वजेश्वरी धाम में लाकर बाण गंगा तथा चक्रकुण्ड में स्नान करवा कर तब कहीं विष्णु जी वृंदा को भूलकर अपने वास्तविक संसार में पुनः आ सके। इसी तरह ब्रह्मा और विष्णु तो वृंदा के श्राप से मुक्त हो गए परन्तु भगवान शिव अभी भी अभिशप्त थे । उनके परित्राण हेतु वज्रेश्वरी ने विष्णु और ब्रह्मा को ही संदेशवाहक के रूप में काशी भेजा देवी बज्रेश्वरी का संदेश था कि यह आपको वृंदा का ही तो श्राप था जब दक्ष प्रजापति के यज्ञ के हवनकुंड में मेरा शरीर भस्म हो गया था । देवी बज्रेश्वरी की आज्ञा के अनुपालन से ही भगवान शिव ने यहां आकर मुंडन करवाकर बाणगंगा और चक्रकुण्ड में स्नान कर कुमारी पूजन और ब्रह्मभोज का आयोजन किया । ब्राह्मणों को दान दिया गया । अपने वजन के बराबर सोने का तुलादान करने के उपरांत भगवती उग्रतारा की पूजा की , तब कहीं जाकर जालन्धर दैत्य की हत्या के पाप से भगवान शिव को भी मुक्ति मिल पाई । यहां पुराना कांगड़ा नगरकोट किला के अंदर विराजमान अम्बिका ,जयंती के अतिरिक्त साथ लगते उत्तर दक्षिण में चामुंडा नंदिकेश्वर धाम एवं ज्वालामुखी है सभी पीठों से अति सर्वश्रेष्ठ बताया है । वहां आकर यज्ञ करने की आज्ञा प्रदान की । इस स्थल के सम्बंध में एक और महत्वपूर्ण आख्यान जोड़ना आवश्यक है कि मुनि व्यासदेव ने वशिष्ठ ऋषि से महाभारत लिखने के लिए उपयुक्त स्थान के प्रति जानकारी चाही तब वशिष्ठ जी का आदेश हुआ कि पहले वह जालन्धर पीठ में जाकर वज्रेश्वरी देवी की अराधना करें जहाँ अम्बिका ,जयंती तथा ज्वालामुखी स्थित है और वज्रेश्वरी देवी की अराधना के कारण ही तब मुनि व्यास महाभारत लिखने में सक्षम हो पाए थे । तभी से आदिब्रह्मा की अग्रिमपुजा का विधान समाप्त है ।

पड्डल मैदान में सेना भर्ती 1 से 6 नवम्बर तक-राजाराजन

मंडी (प्रे.वि). *सेना भर्ती कार्यालय मंडी द्वारा 1 से 6 नवम्बर तक पड्डल मैदान में सेना भर्ती आयोजित की जाएगी । जिसमें मंडी, कुल्लू और लाहौल स्पिति के नवयुवक भाग ले सकेंगे ।*

यह जानकारी देते हुए कर्नल राजाराजन ने बताया कि भर्ती के लिए एडमिट कार्ड, हिमाचली प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाणपत्र, ओपन स्कूल से शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों के लिए स्कूल लीविंग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और 10 रूपये के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा सत्यापित एफेडेविट लेकर अवश्य आएं । एफेडेविट के फॉर्मेट के लिए आर्मी की वेबसाइट से फॉर्मेट डाउनलोड करें और उसके अनुसार ही अपना एफेडेविट तैयार करवाएं । चेतावनी

उन्होंने उम्मीदवारों का आग्रह किया कि भर्ती के लिए किसी भी व्यक्ति को पैसे न दें । दलाल केवल आपको गुमराह कर सकते हैं । भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह कम्पयूटराइज्ड है और दलाल इसमें कुछ नहीं कर सकते । उम्मीदवार अपनी मेहनत पर विश्वास करें । जाली प्रमाण पत्र लेकर आने वाले उम्मीदवारों को पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

Contact for :
Interlocking Paver Blocks,
Fancy Blocks, Curve Stones Etc.
for Durable and Beautiful Pavements.

Mob : 9318005024, 9418005024

हवाई पर्यटकों को मिलेगी हर प्रकार की सुविधा-शर्मा

भुंतर (कुल्लू). भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, कुल्लू–मनाली हवाईअड्डा, भुन्तर पर जनजातीय यात्रियों के लिए तैयार किये गए आगंतुक लाउंज का लोकार्पण मंगलवार 22 अक्टूबर को सांसद राम स्वरूप शर्मा द्वारा माननीय वन, परिवहन, युवा एवं खेल कल्याण मंत्री, हिमाचल प्रदेश गोविन्द सिंह ठाकुर एवं माननीय विधायक एवं कुल्लू विधान सभा सुन्दर सिंह ठाकुर की उपस्थित्ति में किया गया । विमानपत्तन निदेशक द्वारा सर्वप्रथम इस भवन के निर्माण की आवश्यकता की ओर ध्यान दिलाते हुए बताया गया कि चूंकि हिमाचल प्रदेश एक शीत प्रदेश है ।जिसका एक हिस्सा लाहौल स्पिति क्षेत्र भी है, सर्दियों के दिनों में अत्यधिक बर्फबारी के कारण सड़क मार्ग बाधित होने पर, जिसका संपर्क प्रदेश के अन्य हिस्सों से टूट जाता है।इस संपर्क को बनाए रखने के लिए इस क्षेत्र के लोगों को राज्य सरकार द्वारा हेलीकाप्टर सुविधा प्रदान की जाती है ।परंतु सर्दियों में मौसम खराब होने के कारण उड़ानों में काफी विलम्ब होता है ।इस विलम्ब के समय में बैठने के लिए एक कक्ष की मांग जनजातीय यात्रियों एवं आगंतुकों द्वारा लम्बे समय से की जा रही थी, जिसको आज पूर्ण कर लिया गया है ।इस दौरान नीरज कुमार श्रीवास्तव, विमानपत्तन निदेशक द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्टि अतिथि एवं गणमान्य अतिथि का स्वागत पौधों से किया गया, जो कि वायु प्रदूषण को कम करने की ओर एक सराहनीय कदम है ।इसके उपरान्त नीरज कुमार श्रीवास्वत जी द्वारा आगंतुक लाउंज की विशेषताओं से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को अवगत कराते हुए कहा गया कि इरा भवन को विश्वस्तीय सुविधाओं के साथ–साथ हिमाचली संस्कृति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है ।इसके प्रयोग में आने के उपरान्त जनजातीय यात्रियों को होने वाली कठिनाइयों से पूर्ण रूप से मुक्ति मिल सकेगी ।

इस दौरान नीरज कुमार श्रीवास्त्तव, विमानपत्तन निदेशक द्वारा कुल्लू–मनाली एयरपोर्ट पर चल रही ग्तिविधियों के बारे में भी अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान में उनके संज्ञान में आया है । कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की जा रही है ।इस संबंध में, एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा लोगों को जागरूक किये जाने हेतु टेलीवीजन स्क्रीन पर सतर्कता संदेश प्रदर्शित किया जा रहा है ।उन्होंने यह भी बताया कि कुल्लू–मनाली एयरपोर्ट पर बोटल क्रसिंग मशीन लगाते हुए एयरपोर्ट को एक बार प्रयोग में आने वाले प्लास्टिक से मुक्त्त किया जा चुका है। इस संबंध में एयरपोर्ट पर कार्यरत कार्मिकों, एजेंसियों एवं यात्रियों को पीपीटी के माध्यम से लगातार जागरूक किया जा रहा है । एयरपोर्ट परिसर में किसी प्रकार के प्लास्टिक का प्रयोग न करें और उनके द्वारा इसकी निगरानी हेतु एक समिति का भी गठन किया गया है।इसके उपरान्त उन्होंने यह भी अवगत कराया कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एयरपोर्ट परिसर में स्थित सभी रसोइयों से निकले गीले कचरे को जैविक खाद में परिवर्तित किये जाने की प्रक्रिया भी उनके द्वारा आरम्भ कर दी गई है । जिससे की कम–से–कम कचरा कूड़ेदान में जायेगा और एयरपोर्ट परिसर में स्थित पौधों के लिए जैविक खाद भी तैयार हो सकेगी ।यह पर्यावरण की सुरक्षा की ओर एक सराहनीय कदम है।

एंकरिंग की कमान भुंतर एयरपोर्ट सिक्योरिटी के अधिकारी सरदार जसवंत सिंह के हाथ में रही उन्होंने लेखक और पत्रकार दीपक कुल्लुवी के लिखे शेर से सभी मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन पर चाय नाश्ते की उचित व्यवस्था थी। यह हर तरह से एक सफल आयोजन था। इस मुबारक मौके पर भुंतर प्रेस क्लब के अधिकतर पत्रकार मौजूद रहे

मुख्यमंत्री ने बद्दी में आईपीएच डिविजन खोलने की घोषणा की

बद्दी(शांति गोतम)– मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सोलन जिला के बद्दी क्षेत्र के मलकु माजरा के अंतर्गत हरे कृष्णा गोशाला में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए बद्दी में सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग का मण्डल खोलने की घोषणा की ।उन्होंने कहा कि इस मण्डल के खुलने से क्षेत्र में विभाग की कार्य प्रणाली और सुदृढ़ होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लगभग 22 माह का अब तक का कार्यकाल अनेक उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है और प्रदेश के लोगों ने भी सरकार को भरपूर सहयोग दिया है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार खोखले दावे करने के बजाय कार्य करने में विश्वास रखती है। यही कारण है कि लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा उम्मीदवारों को भरपूर सहयोग देकर चारों सीटों पर रिकार्ड मतों से विजयी बनाया।यही नहीं प्रदेश के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को बढ़त मिली और मत प्रतिशतता भी सर्वाधिक रहा।उन्होंने कहा कि हालही में सम्पन्न उप चुनावों में भी भाजपा भारी मतों से विजयी रहेगी।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से आरम्भ किए गए जन मंच कार्यक्रम को राजनीतिक विरोधियों ने भी सराहा है जिसके माध्यम से लोगों की अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित हो रहा है।सरकार ने अब 1100 मुख्यमंत्री हेल्प लाईन भी आरम्भ की है जिसका लाभ लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार की आयुष्मान भारत योजना को हिमाचल सरकार भी प्रभावी रूप से कार्यान्वित कर रही है ताकि अधिक से अधिक लोगों को पांच लाख रुपये तक के बीमा कवर की सुविधा मिल सके।प्रदेश के लगभग 22 लाख लोगों को इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। इस योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे परिवारों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने हिम केयर योजना आरम्भ की है।

उन्होंने कहा कि गृहिणी सुविधा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को नि:शुल्क गैस कनेक्शन वितरित किए जा रहे हैं और सरकार के प्रयास हैं कि हिमाचल को धुंआ रहित राज्य बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि शराब की बोतलों की बिक्री पर उपकर के माध्यम से गौसदनों के निर्माण एवं रखरखाव के लिए अब तक 8.5 करोड़ रुपये एकत्रित किए जा चुके हैं।

दुग्ध अभीशीतन केन्द्र का औचक निरीक्षण

मंडी (प्रे.वि). हिमाचल प्रदेश दुग्ध प्रसंग उपभोक्तओं को गुणवत्तायुक्त दूध उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्प है। इसी उद्देश्य से प्रसंघ के अध्यक्ष निहाल चन्द शर्मा ने दुग्ध अभीशीतन केन्द्र कटौला का औचक निरीक्षण किया। यह जानकारी देते हुए हिमाचल प्रदेश मिल्क फैडरेशन चक्कर यूनिट के वरिष्ठ प्रबन्धक राकेश पाठक ने बताया कि इस दौरान ओगर पागापधर, बथेरी, बागी, टिहरी व राहला दुग्ध समितियों के जो वाहन दूध लेकर पहुंचे उनके सैम्पल लिए गये। जिन–जिन समितियों की गुणवत्ता कम आंकी गई व जिन–जिन समितियों में दुग्ध की मात्रा कम है उन समितियों को अपने कार्यों में सुधार लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि निहाल चन्द शर्मा ने संचालकों को आदेश दिए कि अपनी–अपनी समितियों को शीघ्र पंजीकृत करवाएं।

IN THE COURT OF L.R.Verma HAS, MARRIAGE OFFICE-CUM-SUB DIVISIONAL MAGISTRATE , PAONTS SAHIB, DISTRICT SIRMOUR, HIMACHAL PRADESH 173025.

NOTICE UNDER SECTION 16 OF SPECIAL MARRIAGE ACT 1954

In the matter of

1 Sh. Shubham Saxena S/O Sh. Naveen Kumar R/o H.No. 147/4, W.No. 3 Rajban Raod Badrinagar. Teh Paonta Sahib. Distt. Sirmour(HP)

2 Smt. Inderjit Kaur, D/O Sh. Kehar Chand R/O Village & P.O Jamniwala. Teh. Paonta Sahib. Distt. Sirmour (HP).

V/S

General Public

(Application for the registration of marriage under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01,49of 2001)

Sh. Shubham Saxena S/O Sh. Naveen Kumar R/o H.No. 147/4, W.No. 3 Rajban Raod Badrinagar. Teh Paonta Sahib. Distt. Sirmour(HP) and Smt. Inderjit Kaur, D/O Sh. Kehar Chand R/O Village & P.O Jamniwala. Teh. Paonta Sahib. Distt. Sirmour (HP). have filed an application along with affidavits in this court under section 15 of Special Marriage Act, 1954 on dated 18-10-2019 stating therein that they have solemnized their marriage on 06-12-2014 and they have been living together as husband and wife ever since then. Hence notices are given to all concerned and General Public to this effect that if anybody have any objection regarding the registration of marriage duly solemnized on 6-12-2014 between Sh. Shubham Saxena S/O Sh. Naveen Kumar R/o H.No. 147/4, W.No. 3 Rajban Raod Badrinagar. Teh Paonta Sahib. Distt. Sirmour(HP) and Smt. Inderjit Kaur, D/O Sh. Kehar Chand R/O Village & P.O Jamniwala. Teh. Paonta Sahib. Distt. Sirmour (HP). He/She should file written objections and appear personally or through an authorized agent before this court within 30 days from the date of issue of this notice. After expiry of the said period, the marriage certificate would be issued to the applicants by this court.

Issued under my hand and office seal of this court 18/10/2019.

(L.R. Verma, HAS)
Marriage Officer-Cum-SDM,
Paonta Sahib, Distt. Sirmour
(Himachal Pradesh)

कारावास के दिन सादे और अनुभव

पागलखाने की राह पर

✍ शेरजंग
अनुवादक : निर्मला शेरजंग

प्रसिद्ध क्रांतिकारी व हिमाचल के शेर के नाम से विख्यात शेरजंग जो ज़िला सिरमौर से ताल्लुक रखते थे, इस महान् हस्ती ने सिरमौर का नाम पूरे देश में ऊँचा किया और यह परिवार आज भी उनके पौत्र मशहूर निशानेबाज समरेश जंग के रूप में सिरमौर का नाम पूरे विश्व में ऊँचा कर रहा है। उनके द्वारा अंग्रेजी में लिखित "ट्रिस्ट विथ टाईगर" नामक पुस्तक का हिन्दी में रूपान्तर "शेरों से मेरी मुलाकातें" तथा 'मैं घुम्मकड़ वनों का' उन्हीं की भार्या प्रख्यात शिक्षाविद् व लेखिका निर्मला शेरजंग द्वारा किया गया तथा 'हिमवन्ती' समाचार में क्रमवार छपे शेरजंग की इस विश्व प्रसिद्ध पुस्तक के अंशों को पाठक पढ़ भी चुके हैं।

इसी श्रृंखला में एक अन्य पुस्तक 'कारावास के दिन' भी हम अपने पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत करने जा रहे हैं। आशा है पाठकगण हमारे इस प्रयास की सराहना करेंगे और यह हमारी ओर से शेरजंग व उनकी पत्नी निर्मला शेरजंग को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। –सम्पादक

यह स्थान था जहाँ स्वच्छता को महागंदगी में बदल दिया जाता था। ऐसे स्थान के व्यक्तियों या कलपुर्जों ने जब मुझे जैसे कैदी के लिए अपनी सहानुभूति प्रकट की और मेरी संघर्ष–क्षमता की प्रशंसा की तो बहुत संतोष मिला, उसने मेरे मानवता और मानव–मूल्यों के प्रति डगमगाते विश्वास को बल दिया, उसे पुन: पुष्ट किया।

मेरे पागल हो जाने की सूचना सुबह दफ्तर में पहुँच गई। उस सूचना को जेल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही के लिए आगे चिकित्सा अधिकारी को पहुँचा दिया गया। मैं वह सारा समय, बुखार से जलता और प्यास से तड़पता कोठरी के कीचड़ भरे फर्श पर बैठा रहा। सफाई की दृष्टि से इस वार्ड के कैदियों को शौच आदि के लिए सुबह आधे घंटे के लिए कोठरी से बाहर ले जाया जाता था। उस दिन न तो किसी ने मेरी कोठरी का ताला खोला, न मुझे पानी दिया और न ही आकर मल–मूत्र के डिब्बे को साफ़ किया। किसी ने आकर मेरी हथकड़ियाँ भी नहीं खोलीं। इसलिए न मैं अपनी उलझी हुई बेड़ियाँ सुलझा सका और न सूखी पटरी पर चढ़ सका। मैं कई घंटों तक किसी के आने की प्रतिक्षा करता रहा, किंतु वहाँ न पहरेदार आया और न जमादार ही। उनके पैरों की आहट सुनने के लिए मैंने अपने कान दरवाजे की ओर लगा रखे थे, परंतु कोई आहट सुनाई नहीं पड़ी। सन्नाटा ही–सन्नाटा था, पागल करने वाला सन्नाटा व मतवाला सन्नाटा मुझे चारों ओर से घेर रहा था। उस सन्नाटे में मेरा दम घुट रहा था। वहीं बैठे–बैठे मैं पहरेदार के लिए चिल्लाया–फिर गुस्से से पूरी ताकत लगाकर चिल्लाया –फिर मल–मूत्र की दुर्गंध भरी हवा को एक लंबी साँस में अन्दर खींचकर चिल्लाया। तब एक पतली लंबी चीख सन्नाटे को भेदती हुई दरवाजा पार कर गई। दोबारा साँस लेकर मैंने दूसरी चीख मारी। वे दोनों चीखें, कोठरी में गूँजती हुई रोशनदान के द्वारा कोठरी से बाहर चली गईं।

चीखों के साथ मैं भी कोठरी से बाहर निकल जाना चाहता था। बहुत चेष्टा से मैं अपने आपको घसीटकर दरवाजे तक ले गया। हथकड़ियाँ और मुक्कों की चोट से दरवाजा तोड़ डालना चाहता था। तभी रोशनदान से किसी की आँख नज़र आई–वह आँख बहुत ही दुष्ट और निर्मम थी। फिर आँख के पीछे से आवाज़ आई, 'चुप रह पगले'। मैंने थूका और कोठरी खोलने की माँग की। आँख गायब हो गई और फिर वही सन्नाटा छा गया। उस सन्नाटे में मैं लगातार चिल्ला रहा था और हथकड़ियों के साथ मैं दरवाजे पर लगातार मुक्के मार रहा था।

जितना अधिक मैं चिल्लाया, उतना ही मेरे 'पागल हो जाने' का विश्वास बढ़ता गया। मैं उस समय तक चिल्लाता गया जब तक बेचैन–बेसुध नींद ने मुझे घेर नहीं लिया। मैं थककरद सो गया।

दोपहर के समय सहसा मेरी नींद खुली। मेरी कोठरी के बाहर कुछ हलचल थी। खिसक–खिसककर चलने की आहट आ रही थी। सन्नाटे से भरे प्रांगण में घबराहट और बड़बड़ाने की आवाज़ें भी सुनाई पड़ रही थीं जो बीच–बीच में, जख्मों की पपड़ी के समान भद्दी, दबीह्र हँसी में बदल जाती थीं। बुखार से कुचली हुई अपनी चेतना को जब मैंने कुछ्द सँभाला तो मेरी कोठरी के दरवाजे में चाबी लगाई जा रही थी। मैंने उस ओर अपने कान लगाए, परंतु उसकी आवश्यकता नहीं थी। दरवाजा नहीं थी। दरवाजा खुला । दरवाजे में डॉक्टर खड़ा था। वह मोटा और लगभग पचास वर्ष की आयु का होगा। उसका मुँहइ यदि नीचे को मुड़कर ऐंठा हुआ न होता तो उसे अच्छा सुंदर कहा जा सकता था।

उसने मेरी तबीयत पूछी, मैंने उत्तर नहीं दिया। उसने मुझे खड़े होने को कहा, परंतु मैं फर्श पर लेटा रहा। उसने फिर अपने पैरों की उँगलियों से मुझे ठेसा और मैंने हथकड़ियों से बँधे अपने हाथ उसकी ओर घुमाए। पिछले तीस घंटों का मन में भरे क्रोध और कटुताद को उगलते हुएद मैं उस पर चिल्लाया और पूछा कि मुझे खोलने के लिए सुबह क्यों कोई नहीं आया और क्यों मेरी प्यास बुझाने के लिए मुझे पानी नहीं दिया गया? मैं...

पहले कि मैं अपना वाक्य पूरा कर पाता, उस जंगली ने मेरी पसलियों पर लात मारी और अपनी कमीज से थूक पोंछते हुएद कोठरी से बाहर निकल गयाद जो मैंने उसके मुँह पर फेंकने की कोशिश की थी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट को सफल बनाने में सहयोग करें उद्यमियों -मुख्यमंत्री

शिमला (प्रेवि)– राज्य के उद्यमी प्रदेश के 'ब्राण्ड एम्बेस्डर' हैं और प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने में अहम् भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उद्यमियों से 7 व 8 नवम्बर को धर्मशाला में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर मीट को सफल बनाने में अपना सहयोग देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने गत दिवस जिला सोलन के बद्दी में बद्दी–बरोटीवाला–नालागढ़ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की रजत जयंती समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे।

जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की प्रगति और विकास में उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि उद्योग प्रदेश में न केपल लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहे हैं, बल्कि करोड़ों रुपये के करों के माध्यम से प्रदेश के खजाने में भी योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उद्यमियों को उत्तम वातावरण उपलब्ध करवाना भी सुनिश्चित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीबीएनआईए प्रदेश में तेजी से औद्योगिकीरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करना सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से पिन्जौर–बद्दी–नालागढ़ सड़क में फोर–लेनिंग का कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता सम्भालते ही, सरकार ने जनता के कल्याण और प्रदेश के विकास को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रगतिशील कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें ग्लोबल इन्वेस्टर मीट का आयोजन एक महत्वपूर्ण निर्णय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश उद्यमियों को प्रदूषण रहित पर्यावरण, निवेश–मित्र नीतियां, जिम्मेदार और जवाबदेह प्रशासन आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। यह सभी विशेषताएं हिमायल प्रदेश को निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में अब तक 79,000 करोड़ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और कुशल नेतृत्व से देश प्रगति और उन्नति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले उद्यमी स्थानीय उद्यमियों के सक्रिय सहयोग के बिना प्रदेश में निवेश नहीं कर सकते हैं इसलिए उन्हें उद्योग स्थापित करने में स्थानीय उद्यमियों के सहयोग की सदैव आवश्यकता रहती है।

जौबे न आईदा, न आईदा- नामक नाटी पर पीरन मेले में झूमे लोग

राजगढ़ (प्रे.वि). राजगढ़ के समीप पीरन में भैया दूज पर अतीत से मनाया जाने वाला मेला धूमधाम के साथ संपन हुआ । इस मौके पर प्रसिद्ध लोकगायक देवेन्द्र कुमार द्वारा अपनी सुरीली आवाज में जौबे न आईदा, न आईदा–शांगरी गांवटे तेरे नहीं आईदा नामक नाटी पर मेले में आए लोग झूम उठे और पांडाल में आकर नृत्य करने लगे।

मेले की सांस्कृतिक संध्या का आगाज चेष्ठा कला मंच शलेव के कलाकारों द्वारा शिव कैलाशों रे वासी नामक शिव वंदना से किया । इसके उपरांत लोकगायक देवेन्द्र कुमार ने एक से एक नाटी गाकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया । इसके अतिरिक्त उभरती युवा लोक गायिका ममता ठाकुर द्वारा हाथ कटा पईनी दाचीए मेरे नामक नाटी सहित गीतमाला प्रस्तुत करके विशेषकर युवाओं को भावविभोर कर दिया ।

चेष्टा कला मंच के कलाकारों द्वारा हास्य नाटिका शराबी प्रस्तुत करके लोगों को हंसाकर लोटपोट कर दिया । इस नाटिका में कलाकारों द्वारा पहाड़ी भाषा में स्थानीय लोगों व्यंग्य बाण चलाकार मेले में आए लोगों का भरपूर मनोरंजन किया गया । इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पंचायत प्रधान अतर सिंह ठाकुर ने कहा कि भैयादूज पर पीरन में पीठासीन देवता जुन्ना के नाम पर कालांतर से मेला आयोजित किया जाता है जिससे सबसे पहले स्थानीय लोगों द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ शोभा यात्रा निकाली जाती है उसके पश्चात जुब्बड़ अर्थात गांव के बीच स्थित 22 टीका के स्थान पर स्थानीय देवता के गुर से मेले की इजाजत ली जाती है । उसके पश्चात मेला आरंभ होता है ।उन्होने कहा कि लोगों का विश्वास है कि पीठासीन देवता के नाम पर मनाए जाने वाले इस मेले के आयोजन से क्षेत्र में सुख समृद्धि और खुशहाली का सूत्रपात होता है।

गांव के वरिष्ठ नागरिक दौलत राम का कहना है कि इस प्राचीन मेले को देखने दूर दूर से लोग आते है ।

जिला न्यायिक परिसर नाहन में लोगों को किया गया जागरूक

नाहन(पे.वि)– उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सौजन्य से जिला न्यायिक परिसर नाहन में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला उपभोक्त फोरम शिमला के अध्यक्ष एस0सी0कैंथला ने की।

शिविर की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम–2019 के तहत उपभोक्ता कहीं से भी खरीदे गए सामान से संबंधित शिकायत अपने स्थानीय जिला उपभोक्ता संरक्षण अदालत में कर सकता है। उन्होंने बताया कि जिला उपभोक्ता अदालत में उपभोक्ता आयोग एक करोड़ तक के सामान की शिकायत दर्ज करवा सकता है जो पहले 20 लाख रूपये थी।

उन्होंने बताया कि उपभोक्ता को अपनी शिकायत दर्ज करवानें के लिए किसी भी वकील की आवश्यकता नहीं होती वह स्वंय सादे कागज पर अपनी शिकायत लिख कर उपभोक्ता संरक्षण अदालत में प्रस्तुत कर सकता है जोकि प्रत्येक माह में दो दिन आयोजित की जाती है।

उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए और उत्पाद या सेवा प्राप्त करते समय पक्का बिल, उत्पाद कि निर्माण तिथि तथा उत्पाद की समाप्त समय सीमा को ध्यान से पढ़कर ही उत्पाद खरीदना चाहिए। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अदालत में शिकायत करने पर पांच लाख तक सामान के लिए कोई भी फीस नहीं ली जाती है व पांच लाख से दस लाख तक 200 रूपये, दस लाख से 20 लाख तक 400 रूपये, 20 लाख से 50 लाख तक दो हजार रूपये, 50 लाख से एक करोड़ तक चार हजार रूपये तथा एक करोड़ रूपये कि लागत से अधिक सामान के लिए पांच हजार रूपये फीस दी जाती है।

उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अदालत में उपभोक्ता का दावा सही पाया जाने पर विक्रेता द्वारा वस्तु को बदला जाएगा या मुरम्मत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उपभोक्ता द्वारा किया गया खर्चा, परेशानी के लिए हर्जाना या वस्तु की कीमत वापिस किए जाने का प्रावधान है। यदि विक्रेता उपभोक्ता संरक्षण अदालत के आदेश का पालन नही करता तो उसे एक महीने से तीन साल की सजा का भी प्रावधान है।

इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र कुमार शर्मा, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रताप सिंह ठाकुर, जेएमआईसी गितिका कपिला, अधिवक्ता रश्मी अग्रवाल व सुभाष ठाकुर सहित विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आपदा जोखिमों को कम करने के लिए जन जागरूकता जरूरी- गर्ग

मंडी (पे.वि)– अतिरिक्त उपायुक्त आशुतोष गर्ग ने आपदा जोखिमों को कम करने के लिए जन जागरूकता की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि लोगों को जागरूक करके प्राकृतिक आपदा के प्रभाव को कम किया जा सकता है। मंडी जिला प्रशासन आपदा प्रबंधन को लेकर लोगों को संवेदनशील बनाने और आपदा के समय बचाव से जुड़ी तैयारियों को लेकर उन्हें शिक्षित करने के लिए तमाम प्रयास कर रहा है।

यह बात उन्होंने सेरी मंच पर समर्थ–2019 अभियान के तहत आपदा प्रबंधन को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए आयोजित रैली को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर उन्होंने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, जिला रैडक्रास सोसायटी के 'सर्वे' आपदा रक्षक, स्कूली बच्चों, एनएसएस व एनसीसी के कैडेटों की रैली को हरी झंडी देकर रवाना किया ।

सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित डा. बिंदल

नाहन (पे.वि)–नाहन शहर को सुन्दर तथा स्वच्छ बनाये रखने में नगर परिषद नाहन के स्वच्छता ग्रही (सफाई कर्मचारी) महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे है।

यह उद्गार विधानसभा अध्यक्ष ड.राजीव बिंदल ने एसएफडीए हॉल नाहन में लॉयस क्लब नाहन द्वारा नगर परिषद नाहन के स्वच्छता ग्रही सफाई कर्मचारी के सम्मान मे आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। उन्होने कहा कि सफाई कर्मचारी पर्यावरण रक्षक के रूप में कार्य कर रहे है। उन्होने कहा कि लॉयस क्लब समाज सेवा पूरे सम्पर्ण तथा निःस्वार्थ भाव से कर रहा है जिसके लिए यह क्लब बधाई का पात्र है। उन्होनें कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है जिसके लिए जन सहभागिता अत्यंन्त आवश्यक है। उन्होने कहा कि कुड़ा–कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान करे और पालीथीन का इस्तेमाल न करने की भी अपील की। उन्होने नाहन शहर की सामाजिक सस्ंथाओं विशेषकर लॉयस क्लब से अपील की कि वह नगर परिषद नाहन के सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य जांच हेतु शिविरो के आयोजन के लिए आगे आएं जिस पर लॉयस क्लब के पदाधिकारियों ने इन सफाई कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच शिविरों के आयोजन की हामी भरी। उन्होने नगर परिषद नाहन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वह शहर में सौ स्वच्छता जागरूकता बोर्ड विभिन्न स्थानों पर स्थापित करें।

मानपुरा में पुलिस थाना और वर्धमान चौक पर सिटी पुलिस चौकी खोलने की घोषणा

बद्दी (शांति गोतम)– मुख्यमंत्री ने मानपुरा में पुलिस थाना और वर्धमान चौक पर सिटी पुलिस चौकी खोलने की घोषणा की। उन्होंने राजकीय उच्च पाठशाला रामपुर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला और राजकीय माध्यमिक पाठशाला भुड़ को उच्च पाठशाला के रूप में स्तरोन्नत करने के अलावा वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घारे में विज्ञान की कक्षाएं आरम्भ करने की भी घोषणा की। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने बद्दी में 2.15 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित तहसील कार्यालय का लोकार्पण किया और तहसील कल्याण अधिकारी कार्यालय की आधार शिला रखी, जिसे 75 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा।

इसके उपरान्त, मुख्यमंत्री ने हांडाकुंडू में लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले गौ अभ्यारण्य का शिलान्यास किया और पुलिस लाईन बद्दी के प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया, जिस पर 1.51 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेन्द्र कंवर ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार ने मंत्रिमण्डल की पहली ही बैठक में शराब की प्रत्येक बोतल पर एक रुपये का उपकर वसूलने का निर्णय लिया था, जिसे गौसदनों और गौ अभ्यारण्यों के निर्माण पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गायों को छत प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार कई गौ अभ्यारण्यों का निर्माण कर रही है। सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार के डबल ईंजन से प्रदेश में विकास की गति को तेजी मिली है। उन्होंने लोकसभा चुनावों में समर्थन के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। दून के विधायक परमजीत सिंह पम्मी ने कहा कि मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के कुशल नेतृत्व में सरकार प्रदेश का तीव्र एवं संतुलित विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों के जीवन में आशातीत बदलाव के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाएं आरम्भ की हैं।

जल प्रबन्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष दर्शन सिंह सैनी ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि जय राम ठाकुर जैसे युवा और कर्मठ व्यक्ति मुख्यमंत्री बने हैं जिनके दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश का अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित बन रहा है। उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. राजीव सैजल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा डॉ. डेजी ठाकुर, पूर्व विधायक के.एल. ठाकुर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

हाटी समिति को क्रांतिकारी नेता की दरकार

- सुन्दर सिंह चौहान

हाटी समिति के पास आज क्रांतिकारी नेता की दरकार है। जब से समिति बनी तब से कोई ऐसा नेता नही उभर पाया है जो सरकार के सामने अपना विरोध प्रकट कर सके। आज तक इस समिति मे जो भी पदाधिकारी रहे है वह इस मामले को पुरजोर तरीके से उठाने मे असफल रहे है। यही कारण रहा सरकारे इसे गंभीरता से नही लेती है। शायद मेरी यह बात हाटी समिति को बहुत अखरेगी हो सकता है मुझे उनके पदाधिकारीयों के कोपभाजन का सामना भी करना पड़े लेकिन मैं उसके लिए तेयार हूं। आजतक कोई भी पत्रकार हाटी समिति के बारे मे लिखने से हिचकचाता है उसको लगता है की वह बुरा मान जाएंगे लेकिन अगर हम सच को सामने नही लाएंगे तो फिर जनता को कैसे पता चलेगा। गिरीपार क्षेत्र को जनजातिए दर्जा न मिल पाने के लिए जनता के साथ साथ हाटी समिति सबसे ज्यादा जिम्मेबार है। मै, हाटी समिति को इसलिए दोषी मानता हूं क्योंकि ट्रांसगिरी क्षेत्र की करीब सवा तीन लाख जनता का उस पर 40 साल का अटूट भरोसा है। यहां के लोगो को लगता है कि हाटी समिति उनके लिए लड़ रही है। हाटी 1970 के दशक मे हाटी समिति बनी तब से आजतक कोई जुझारू नेता नही उभर पाया। ट्रांसगिरी क्षेत्र की मांग के बाद हिमाचल के कई क्षेत्र जनजातीए घोषित हो चुके है लेकिन हमारा यह क्षेत्र उसमे पीछे रह गया। ट्रांसगारी क्षेत्र को जनजातीय दर्जा न दिला पाने के लिए जितनी दोषी देश व प्रदेश की सरकारे रही है उतनी ही दोषी हाटी समिति है। हाटी समिति को इसलिए दोषी माना जा सकता है क्योंकि उसने आजतक कभी भी आदोंलन नही किया, न ही कोई बिरोध प्रर्दशन किया जिसके चलते आजतक यह मुददा ठंडे बस्ते मे पड़ा है। एक कहावत है की सीधी उंगली से घी भी नही निकलता है। 1968 में साथ लगते जौनसार बाबर क्षेत्र को तत्काल केन्द्र सरकार ने जनजातीय घोषित कर दिया था। जौनसार बाबर की ही तरह हिमाचल का ट्रांसगिरी क्षेत्र भी पिछड़ा हुआ है। 1970 के दशक में ट्रांसगिरी क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले प्रबुद्ध लोगो के दिमाग मे इस क्षेत्र को भी जनजातीय दर्जा दिलवाने का आईडिया आया था। उनको लगा था कि यह क्षेत्र जौनसार बाबर की ही तरह आर्थिक सामाजिक भौगोलिक व सांस्कृतिक आधार पर पिछड़ा है ओर इसे भी जनजातीय दर्जा मिलना चहिए। उन्ही लोगो ने उसी समय एक समिति का गठन किया था जिसका नाम हाटी समिति रखा गया था। चूंकि ट्रांसगिरी क्षेत्र मे रहने वाले लोग खुद को हाटी उपजाती के मानते है तो उसी नाम से यह समिति बनी थी, तब से आजतक वही समिति बरकरार है। इसकी खामिया यह रही कि आजतक इसका जो भी अध्यक्ष बना वह वीआईपी कलचर का रहा, अर्थात उसे अध्यक्षी तो अच्छी लगी लेकिन संघर्ष करना अपनी शान के बिरूद्ध समझते थे। इस समिति ने जनजातीय दर्जे की मांग को सरकार तक जरूर पंहुचाया लेकिन उसे अमलीजामा पहनाने मे नाकाम रही। उसकी सबसे बड़ी वजह यह रही है की हाटी समिति मे शुरू से आजतक कोई जुझारू नेता अर्थात जननायक ही नही उभर पाया जो धरना प्रर्दशन करता। दुसरा कारण यह भी रहा कि समिति के ज्यादातर अध्यक्ष राजनैतिक दल से जुडे हुए रहे है जो सरकार को भगवान समझते रहे। हम यह नही कह सकते की हाटी समिति ने कोई काम नही किया लेकिन जो काम उसे करना चहिए था वो उसे करने मे विफल रही है। समिति को चहिए था कि वह सरकार के खिलाफ धरने प्रर्दशन करती संघर्ष करती लेकिन ऐसा नही हुआ। समिति के कई शिष्ट मंडल प्रधानमंत्री से भी मिले लेकिन वो मुलाकाते मात्र फोटो खिंचवाने ओर कविताओं का सार सुनाने तक सीमित रही। फोटो खिंचवाने से अगर जनजातीए दर्जा मिल जाता तो आज हम उसका लाभ ले रहे होते। बेहतर होता 40 साल से लंबित हमारी मांग को काली पटटी बांधकर रोष स्वरूप पीएम को दिखाया जाता ताकि सरकार की आंखे खुलती उसे लगता की लोग सचमुच परेशान है। तभी यह मुददा परवान चढ सकता था। लेकिन समिति के पास ऐसा करने वाला कोई नेता ही नही है, जो संघर्ष करे बिना संघर्ष किए कुछ भी हासिल नही किया जा सकता। हमने उतराखंड राज्य बनते देखा है। उतराखंड राज्य गठन की मांग हाटी क्षेत्र से बाद मे उठी थी लेकिन उनके पास जो समिति थी लीडर थे वह बहुत ही जुझारू थे। उन्होने धरने दिए सरकार कि मुखालफत की, कई बार जेल की हवा खाई तब जाकर 2000 मे उतराखंड बना था। लेकिन हमारी मांग जहां से उठी थी आज भी वहीं है। हाटी समिति 40 साल से सरकार के सौहार्दपूर्ण फैसले का इंतजार कर रही है जो कभी होने वाला नही है। कोई भी सरकार ऐसे मुददो को इतनी आसानी से स्वीकार नही करती जैसा हम समझ रहे है। केन्द्र के पास ना जाने ऐसे कितने क्षेत्र है जो खुद को जनजातीय क्षेत्र घोषित करवाने की मांग कर रहे है। हाटी समिति को चहिए की पहली ओर आखिर बार अपना रोष प्रकट करे अगर वह नही कर सकती तो वर्तमान पदाधिकारीयो को पद से इस्तीफा देकर किसी क्रांतिकारी को आगे लाकर अध्यक्ष बना देना चहिए जो धरना भी दे ओर पुलिस की लाठियां खाने मे अपना अपमान न समझे। हमारी सरकारे चाहे भाजपा कि हो या कांग्रेस दोनो ही बेवकूफ बनाने मे महारथी है। हाटी मुददे को परवान न चढा पाने का सबसे ज्यादा दोषी कांग्रेस सरकार को माना जा सकता है क्योंकि कांग्रेस सबसे ज्यादा सत्ता मे रही है यह अलग बात है कि हम सरकार के पास अपनी बात नही रख पाए है। इसके लिए भाजपा भी कम दोषी नही है। अगर कांग्रेस सत्ता में रही तो भाजपा विपक्ष के नाते इस मुददे को उठाने मे पूरी तरह नाकाम रही है।

विशाल नैहरिया धर्मशाला के नए विधायक

धर्मशाला (ब्युरौ)– भाजपा ने धर्मशाला उपचुनाव में 6758 वोटों से जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार विशाल नैहरिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय उम्मीदवार राकेश कुमार को 6758 वोटों से पराजित किया। विशाल नैहरिया को 44.41 फीसदी वोट मिले।

जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार विजय इंद्र कर्ण को सिर्फ 8212 वोट ही मिले। एसडीएम एवं निर्वाचन अधिकारी हरीश गज्जू ने धर्मशाला कलेज में प्रयास भवन में चल रही मतगणना पूरी होने के बाद उपचुनाव के परिणाम की घोषणा की।

वहीं, आजाद प्रत्याशी पुनीश शर्मा को 2345, स्वाभिमान पार्टी के उम्मीदवार को 887, निर्दलीय प्रत्याशी निशा कटोच को 435, सुभाष चंद शुक्ला को 368 वोट मिले। 430 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया है।

किसान परेशान कहाँ जाएं धान लेकर

पांवटा (हिका). किसान नेता एवं पूर्व प्रधान किसान युनियन नम्बरदार खुशहाल सिंह ने प्रदेश सरकार से गुहार लगाई कि पांवटा साहिब में स्थित मंडी में धान खरीव नहीं हो रही है जिरा कारण किसानों को अपने धान बेचने के लिए पड़ोसी राज्यों में जाना पड़ रहा है। यहाँ के किसान अपने धान बेचने के लिए हरियाणा के खिजराबाद जा रहे हैं जहाँ उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिससे किसान काफी तनाव में हैं। किसान नेता खुशहाल सिंह ने कहा कि उन्होंने स्थानीय विधायक चौ.सुखराम से भी इस बाबत बात की तथा विधायक ने उन्हें जल्द ही धान खरीद के लिए मंडी चलाए जाने का आश्वासन दिया है।

सिंदरी उर्वरक कारखाना झारखंड

-सुरेन्द्र कपिल पूर्व मंत्री

पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का आधुनिक भारत के विकास का विजन....

भारत की आजादी के बाद जनता के सामने खाद्यान्न की कमी की समस्या मुहं बाए खडी थी किसान के खेत मे अन्न की पैदावार से लागत का मुल्य भी प्राप्त नही हो पाताथा। इस समस्या से निबटने के लिए नेहरू जी के नेतृत्व मे आधुनिक खेती का निर्णय लिया गया।

31 अक्टूबर 1951 मे सिंदूरी – झारखन्ड मे उर्वरक का कारखाना स्थापित किया गया जिसमे पहले अमोनियम सल्फेट का उत्पादन शुरू हुआ।

इस कारखाने का उदघाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु जी ने किया नेहरू जी ने अपने भाषण मे कहा था कि यह केवल एक उर्वरक कारखाने का उदघाटन नही हुआ है यह आधुनिक भारत के मन्दिर का उदघाटन है।

इस कारखाने मे पहले अमोनियम सल्फेटद्ध1951ऋ युरियाद्ध1959ऋ अमोनियम नाईट्रेट-- सल्फेट का उत्पादन किया गया। द्ध1951ऋ मे अपना बिजली संयत्र भी लगाया गया।।

इसमे कच्चे माल मे सामग्री जिसम कोयला व नाफ्था उपयोग किया गया।

इसके परिणाम स्वरुप भारत के किसानो के अन्न उत्पादन की क्षमता बढी।

यह था नेहरु जी के वैज्ञानिक विकास का दृष्टिकोण।।

वन्देमातरम।

पाँवटा साहिब के सबसे पुराने एंव अनुभवी वैद्य
स्थापित 1935
बवासीर फीशर रोग से छुटकारा पायें आप्रेशन के भारी खर्च व पीड़ा से बचें
84 वर्षों से प्रसिद्ध
पुरानी कब्ज के भयंकर परिणाम बवासीर (PILES)
★ गुद्दा के मस्सों में जोरों का दर्द होना ★ गुद्दा के मस्सों में भयानक खुराश व जलन
★ गुद्दा के मस्सों से खून बहना ★ दवाई का 'असर' पहले दिन से
वैद्य जी. एस. अरोड़ा आयुर्वेदिक युगभी प्राकृतिक (पतमर्ग चिकित्सक)
पथरी (गुर्दा, मूत्राशय, पित्ते) | गठिया (रीहदर्द) | एग्जीमा (चम्बल) | स्त्री-पुरुष गुप्त रोग | निःसंतान दम्पति
हीरा आयुर्वेदिक दवाखाना®
पता : (बस स्टैण्ड से विश्वकर्मा मन्दिर के बीच) नगर पालिका शॉपिंग काम्पलैक्स, शॉप न.3 पाँवटा साहिब
सम्पर्क करें 09418266155, 08219836938

स्वस्थ रहने के लिए कारगर है आयुर्वेद-डॉ. कुलदीप

धर्मशाला, (प्रे.वि). जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. कुलदीप वरवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष 25 अक्तूबर को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है जिसका चिकित्सा क्षेत्र में बहुत महत्व है। आयुर्वेद इलाज में जड़ी-बुटियों इत्यादि का प्रयोग होता है जिससे शरीर में कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है।

उन्होंने बताया कि मनुष्य में स्वस्थ रहने व लम्बी आयु पाने की इच्छा हमेशा रहती है। आधुनिक जीवन शैली एवं व्यस्तम दिनचर्या के कारण आज मानव समाज प्रकृति से दूरियां बढ़ाता जा रहा है। इसके फलस्वरूप लोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, त्वचा विकार, अर्शभंगदर, खांसी, दमा सिरदर्द आदि से जूझ रहे हैं। ऐसे में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति प्राकृतिक एवं प्रकृति के सहयोगी के रूप में रोगों को दूर करने व दीर्घायु के लिए कारगर है।

उन्होंने लोगों से स्वस्थ रहने एवं दीर्घायु प्राप्त करने के लिए दिनचर्या में योग, और आयुर्वेदिक तरीकों को अपनाने की सलाह दी।

युवाओं को अपनी संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना हमारा उत्तरदायित्व-डॉ. सैजल

बद्दी (गौतम). सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सहकारिता मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने कहा कि भारत को अपनी विविध संस्कृति के लिए जाना जाता है और हम सभी यह नैतिक कर्तव्य है कि युवा पीढ़ी को संस्कृति, लोक परंपराओं और नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्रदान किया जाए। डॉ. सैजल सोलन जिला के नालागढ़ उपमंडल के बद्दी में स्माइलेक्स ग्रुप द्वारा आयोजित धार्मिक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. सैजल ने कहा कि अपनी संस्कृति का ज्ञान न केवल जरूरी है अपितु इसके माध्यम से व्यक्ति मानसिक एवं नैतिक रूप से सबल भी बनता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को संस्कृति का प्रथम ज्ञान अपने घर से प्राप्त होता है। इस दिशा में अभिभावकों को सजग रहना होगा। उन्होंने कहा कि संस्कृति से विमुख युवा पीढ़ी देश के पतन का कारण बन सकती है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपनी संस्कृति को जाने और सभी तक भारत की अनेकता में एकता की विविध संस्कृति की जानकारी पहुंचाएं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि पश्चिमी सभ्यता की चकाचौंध हमारी युवा पीढ़ी को प्रभावित कर रही है। उनके इस झुकाव को अपनी संस्कृति की जानकारी प्रदान कर ही रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम अब भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को अपना रहा है और हमें अपने युवाओं को भारतीय संस्कृति के मजबूत पक्ष से अवगत करवाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति पूर्ण रूप से वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित है। युवाओं को संस्कृति के तार्किक और वैज्ञानिक पक्ष से रूबरू करवाना हमारा उत्तरदायित्व है।

भारत ने पाकिस्तान के साथ करतारपुर साहिब कॉरिडोर समझौते पर किए हस्ताक्षर

शिमला (पेवि). भारत ने जीरो प्वाइंट इंटरनेशनल बाउंड्री डेरा बाबा नानक में करतारपुर साहिब कॉरिडोर के संचालन के तौर-तरीकों पर आज पाकिस्तान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस दौरान विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ पंजाब सरकार के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 22 नवंबर 2018 को श्री गुरु नानक देवजी की 550 वीं जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर पूरे देश और दुनिया भर में भव्य तरीके से मनाने का एक प्रस्ताव पारित किया।

इस ऐतिहासिक फैसले में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक डेरा बाबा नानक से करतारपुर साहिब करिडोर के निर्माण और विकास को मंजूरी दी ताकि भारत के तीर्थयात्रियों को गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की यात्रा करने में सुविधा हो और यह यात्रा वर्ष भर सुचारू और सुगम तरीके से चल सके। इस समझौते पर हस्ताक्षर के साथ करतारपुर साहिब गलियारे के संचालन के लिए एक औपचारिक रूपरेखा तैयार की गई है।

समझौते की मुख्य बातें निम्न हैंरू –

(1) भारतीय मूल के सभी धर्मो और व्यक्तियों के भारतीय तीर्थयात्री गलियारे का उपयोग कर सकते हैं।

(2) यात्रा वीजा मुक्त होगी।

(3) तीर्थयात्रियों को केवल एक वैध पासपोर्ट ले जाने की आवश्यकता है।

(4) भारतीय मूल के व्यक्तियों को अपने देश के पासपोर्ट के साथ ओसीआई कार्ड ले जाने की आवश्यकता हैय

(5) कॉरिडोर सुबह से शाम तक खुलेगा, सुबह यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को उसी दिन वापस लौटना होगाय

(6) कॉरिडोर पूरे साल चालू रहेगा, अधिसूचित दिनों को छोड़कर जिनकी जानकारी पूर्व में दी जाएगी ।

(7) तीर्थयात्रियों के पास अकेले या समूहों में जाने के लिए और पैदल यात्रा करने का भी विकल्प होगा ।

भारत यात्रा की तारीख से 10 दिन पहले तीर्थयात्रियों की सूची पाकिस्तान को भेजेगा। यात्रा की तारीख से 4 दिन पहले तीर्थ यात्रियों को पुष्टिकरण भेजा जाएगाय

पाकिस्तान पक्ष ने भारत को लंगर और प्रसाद के वितरण के लिए पर्याप्त प्रावधान करने का आश्वासन दिया हैय

तीर्थयात्रियों को 20 अमेरिकी डॉलर प्रति यात्री सेवा शुल्क के रूप में वसूलने की पाकिस्तान की जिद का मुद्दा मुख्य रूप से चर्चा का विषय रहा है।

इटली नहीं अब अमेरिका से सेब के पौधे मंगवाएगी प्रदेश सरकार

शिमला (पे.वि) हिमाचल सरकार इटली के बाद अब अमेरिका से सेब के पौधे आयात करेगी। विश्व बैंक की 1134 करोड़ की वित्तीय मदद से बागवानी विकास प्रोजेक्ट में सेब के पौधे आयात किए जाने हैं। पूर्व कांग्रेस सरकार ने सत्ता पर रहते हुए इटली से सेब के पौधे आयात किए थे और ये पौधे सूखने के बाद खासा विवाद खड़ा हुआ था। बागवानी विकास के प्रोजेक्ट में जिस गति से काम होना चाहिए था, वह गति नहीं आ पाई थी। अधिकारी कैलिफोर्निया, कोलंबिया, वुडबर्न और गेटिसबर्ग का दौरा करेंगे।

प्रदेश में नई सरकार के सत्ता संभालने के बाद प्रोजेक्ट के काम में गति लाने का प्रयास करने के साथ ही अब सरकार ने इटली की फर्म से सेब के पौधे आयात नहीं करने का मन बना लिया है। सरकार ने अमेरिका से सेब के पौधे आयात करने पर गंभीरता दिखानी शुरू कर दी है। अमेरिका के विभिन्न शहरों में नर्सरियों का जायजा लेने के लिए बागवानी विभाग के दो अधिकारियों को दौरे पर भेजा जा रहा है।

भारत सरकार करेगी मंडी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण का खर्चा वहन

मंडी (पे.वि)– नागर विमानन मंत्रालय भारत सरकार ने आज भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सहयोग से जिला मंडी में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त मंत्रालय ने शिमला, कांगड़ा और कुल्लू हवाई अड्डों के विस्तार को भी स्वीकृति प्रदान की।

यह निर्णय आज यहां भारत सरकार के नागर विमानन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हरदीप सिंह पुरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। इस बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से मुख्य सचिव डॉ. श्रीकान्त बाल्दी ने भाग लिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि शिमला और कांगड़ा के हवाई अड्डों के विस्तार की लागत को केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय वहन करेगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का एक दल शीघ्र ही कुल्लू तथा मनाली हवाई अड्डों के विस्तार के सर्वेक्षण के लिए दौरा करेगा।

उन्होंने कहा कि उड़ान–2 के तहत नागर विमानन मंत्रालय प्रदेश में छः प्रस्तावित हेलीपोर्ट के निर्माण तथा परिचालन की लागत के लिए सैंकेतिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने इसके अतिरिक्त उड़ान–1 के अंतर्गत वर्तमान सेवाएं पहले की तरह जारी रहेगी।

सचिव, संयुक्त सचिव और महानिदेशक नागर विमानन मंत्रालय भारत सरकार, अध्यक्ष भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, निदेशक पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन हिमाचल प्रदेश सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

एचआरटीसी कर्मचारियों को 4 प्रतिशत डीए जारी

शिमला (पे.वि)– प्रदेश सरकार ने दीपावली के अवसर पर राज्य पथ परिवहन निगम कर्मचारियों के वर्षो से लम्बित पड़े वित्तीय लाभ जारी कर दिए हैं और लगभग 50 करोड़ रुपये के लाभ जारी किए गए हैं। परिवहन मन्त्री गोविन्द सिंह ठाकुर ने यहां बताया कि निगम के सभी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते को 140 से बढ़ाकर 144 प्रतिशत करने के आदेश एचआरटीसी प्रबंधन ने जारी किए हैं। मंहगाई राहत भत्ते के रूप में 8.66 करोड़ रुपये सभी कर्मचारियों का बकाया जारी करने के आदेश जारी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि अन्य कर्मचारियों के महंगाई राहत भत्ते की बकाया राशि का 50 प्रतिशत भुगतान नकद किया जाएगा जबकि शेष 50 प्रतिशत जीपीएफ खाते में जमा किया जाएगा।

गोविंद ठाकुर ने कहा कि चालकों एवं परिचालकों के लम्बित पड़े रात्रि एवं अतिरिक्त समय भत्ते के भुगतान के लिए 30 करोड़ रुपये अगले दस दिनों में जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। 4.50 करोड़ रुपये की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। नियमित एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चिकित्सा बिलों के भुगतान के लिए निगम प्रबंधन को तीन करोड़ रुपये जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि वित्तीय संकट से जूझ रहे निगम ने कुशल प्रबन्धन और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा प्रदान की गई विशेष वित्तीय राहत से इस वर्ष कर्मचारियों को दिवाली के अवसर पर वित्तीय लाभ के रूप में तोहफा दिया है।

उन्होंने कहा कि विगत 22 माह में निगम ने सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लगभग 165 करोड़ रुपये के वित्तीय लाभ प्रदान किए गए हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को प्रतिमाह पेंशन देना भी सुनिश्चित किया गया है।

प्राकृतिक खेती में बागवानी के महत्व पर दिया बल

शिमला (पे. वि) *मुख्य सचिव डॉ. श्रीकान्त बाल्दी ने कहा कि प्रदेश में किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती को अपनाने में बागवानी की प्रमुख भूमिका है। प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। प्रशिक्षित किसानों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किए जाने चाहिए।*

डॉ. बाल्दी आज यहां प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के अन्तर्गत जैविक तथा शून्य बजट प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए गठित राज्य स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। राज्य में प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के अन्तर्गत हुई प्रगति की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने कहा कि वर्तमान वर्ष में इस योजना के तहत 50 हजार किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के अन्तर्गत अभी तक 29579 किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिसमें से 1539 किसानों ने अपने खेतों में प्राकतिक खेती आरम्भ कर दी है। राज्य की कुल 3226 पंचायतों में से 2209 पंचायतों को इस योजना के तहत लाया गया है।

प्राचीन शिरगुल मंदिर में पड़वा के पर्व पर हजारो श्रद्धालुओ ने किए दर्शन

राजगढ (बीआर चौहान)– दीपावली के पावन पर्व पर राजगढ़ से करीब 18 किलोमीटर दूर शिरगुल मंदिर शाया में हजारों श्रद्धालुओं ने अपने पीठासीन आराध्य देव के दर्शन करके आर्शिवाद प्राप्त किया । उल्लेखनीय है कि इस मंदिर में दीपावली और पड़वा के पावन पर्व पर कालांतर से दो दिवसीय मेले का आयोजन होता है जिसमें सिरमौर के अतिरिक्त शिमला व सोलन के हजारों की संख्या में श्रद्धालु आकर शिरगुल देवता का आर्शिवाद प्राप्त करते हैं जबकि इस मेले में देव दर्शन के अतिरिक्त श्रद्धालुओं कें मंनोरंजन की कोई गतिविधियां नहीं होती है। गौरतलब है कि भगवान शिव के अंशावतार शिरगुल का प्रादुर्भाव लगभग एक हजार पूर्व शाया की पावन धरा पर इस क्षेत्र के शासक भूखडू के घर में हुआ था। बचपन में माता–पिता के निधन के उपरांत शिरगुल और उनके भाई चंद्रेश्वर अपने मामा चूड़धार में कठिन तपस्या करने के उपरांत शिरगुल देव सूत के व्यापारी बनकर दिल्ली गए जहां पर उनका युद्ध मुगल शासकों के साथ हुआ । मुगल सेना के सिपाहियों द्वारा शिरगुल की दैविक शक्ति को क्षीण करने के उददेश्य से उन पर कच्चे चमड़े की बेड़ियां लगाई और शिरगुल को कैद कर दिया गया । कारागार में शिरगुल को कैद से मुक्त करवाने में भंगायणी नामक महिला, जोकि इस कारागार में सफाई का कार्य करती थी ,ने बहुत सहायता की । भंगायणी माता ने राजस्थान के राणा गोगा जाहर वीर को संदेश पहूंचाया और गोगा ने शिरगुल को कैंद से मुक्त करवाया । शिरगुल ने भंगायणी को अपनी धर्म बहन बनाकर वापिस साथ लाए और उसे हरिपुरधार में बसा दिया जहा पर वर्तमान में भंगायणी माता का भव्य मंदिर है । शिरगुल देव स्वयं चूड़धार पहूंचे और उन्होने घोर तपस्या करने के उपरांत वही बैंकुण्ठ को चले गए । चूड़धार में शिरगुल द्वारा स्थापित शिवलिंग वर्तमान में श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है जहां पर हर वर्ष लाखों की तावाद में श्रद्धालु कठिन चढ़ाई चढ़कर चूड़धार पर्वत पर पहूंचकर शिरगुल मंदिर में दर्शन करते हैं । के घर मनौण में रहने लगे । एक दिन शिरगुल देव और चंद्रेश्वर फागू में एक खेत मे पशु चरा रहे थे और साथ ही कुछ हलधर खेत में लगा रहे थे । शिरगुल की मामी हलधर के लिए भोजन लेकर आई और साथ में शिरगुल और चंदेश्वर के लिए सतू के पिंड बनाकर लाई जिसमें मक्खी एवं अन्य कीट मिलाए हुए थे उन्होने सतू के पिंड खाने से मना कर दिया। और मामी की प्रताड़ना ने तंग आकर शिरगुल ने फागू खेत में पैर मारकर पानी की धार निकाली और जल ग्रहण करके स्वयं चूड़धार के लिए रवाना हुए थे। फागू के खेत में शिरगुल द्वारा अपने तप से निकाली पानी की धार आज भी विद्यमान है और इस जल को गंगा के समान पवित्र माना जाना है ।

बीबीएन के उद्योगों में की भगवान विश्वकर्मा की पूजा

बद्दी (शांति गौतम) विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर बीबीएन के उद्योगों में पूजा अर्चना कर सुख समृद्वि की कामना की गई। हालांकि दिवाली का पर्व होने के उपरान्त लगभग सभी उद्योगों में कार्य बन्द रहा। फिर भी ज्यादातर उद्योगपति दिवाली की खुशीओं को समेटते हुए सुबह सवेरे अपने परिसर पहुंचे। तथा कारखानों की साफ सफाई के उपरान्त पूजा अर्चना की। भगवान वश्वकर्मा की जयंती को हर वर्ष दिवाली के दूसरे दिन हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह दिन लगभग पुरे भारत में विधि के अनुसार मनाया जाता है। भगवान विश्वकर्मा को देवशिल्पी यानी देवताओं के वास्तुकार के रूप में पूजा जाता है।

ऐसी मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा पूरी सृष्टि के निर्माता हैं। उन्होंने सत्य युग में सोने की लंका जहाँ असुरराज रावण का राज था, त्रेता युग में द्वारका शहर, जहाँ श्री कृष्ण थे, द्वापर युग में हस्तिनापुर शहर का निर्माण जो पांडवों और कौरवों का राज्य था सभी का निर्माता उनको माना जाता है। बद्दी के उद्योगपति एवं लघु उद्योग भारती के प्रान्त उपाध्यक्ष एनपी कौशिक ने कोजी आटो में हवन के साथ पूजा अर्चना की, लघु उद्योग भारती केटीसी प्रोक्ट में पूजा अर्चना की, इसके इलावा मैन्सा इन्जिनियरिंग, श्री कृष्णा इन्जिनियरिंग, एसवीएम मैडीटेक, वर्धमान समूह, बिरला टैक्सटाईल, सोफटजेल फारमुलेशन, विनकयोर फार्मा डीएसअर लाईफ साईस, अदित्या पैकेजिंग, श्रीराम प्रिंट एन्ड पैक, फारचुनर पैकेजिंग, राणा पैकेजिंग, सत्या पैकेजिंग सहित दर्जनों फैक्टरियों में विश्वकर्मा की पूजा की गई तथा सभी कारखाने व मशनें बन्द रखे गये।

बहनों ने की भाइयों की लंबी उम्र की कामना

नाहन (ब्यूरो) *सिरमौर जिला में भाई–बहन के अटूट प्रेम को समर्पित भाई दूज का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस मुबारक मौके पर बहनों ने भाई को तिलक कर भगवान से उनकी लंबी उम्र, सुख–शांति और समृद्धी की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहन को रक्षा का वचन देते हुए उन्हें शगुन के रूप में पैसे व गिफ्ट दिए। विवाहिता महिलाएं इस पावन पर्व पर मायके आई और भाइयों को तिलक किया। उधर इस मौके पर बसों में काफी भीड़ रही। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में जहां इक्का–दुक्का बसें ही चलती हैं। वहां महिलाओं को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इधर भैयादूज के चलते शहर के बाजारों में खासी चहल–पहल रही। लोगों ने जमकर मिठाइयों की खरीदारी की। सबके घरों पर मेहमानों का आना–जाना लगा रहा। मेहमानों के स्वागत के लिए पकवान बनाए गए। बच्चों ने भी घर में खूब आनंद उठाया।*

पहाड़ी क्षेत्र में बसें न चलने से परेशानी अतिरिक्त बसें चलाने की अपील

संगड़ाह (ब्यूरो) उपमंडल संगड़ाह में बसों की भारी कमी के कारण क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही सोमवार के दिन सुबह अधिकतर रूट पर बसें नही भेजी गई। लोगो को निजी टैक्सियों का सहारा लेना पड़ा। दीवाली से पहले गिरीपार क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल विधानसभा अध्यक्ष से मिला था। उन्होंने क्षेत्र में अतिरिक्त बसें लगाने की मांग की थी। विधानसभा अध्यक्ष राजीव बिंदल ने आश्वासन भी दिया था पर पहाड़ी क्षेत्र में अतिरिक्त बसें नहीं पहुंची।

जिला मुख्यालय नाहन तथा सोलन व शिमला आदि शहरों में नौकरी करने वाले लोगों तथा छात्रों को बसों की कमी के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों को बस से लाने में हो रही है। भाईदूज के दिन नाहन, सोलन, राजगढ़ व ददाहू आदि से संगड़ाह पंहुचने वाली 37 सीटर बसों में औसतन 70 यात्री देखे गए। गौरतलब है कि करीब 80 हजार की आबादी वाले विकास खंड संगड़ाह में परिवहन निगम की मात्र डेढ़ दर्जन के करीब बसें चलती है। निजी बसों की संख्या भी लगभग इतनी ही है।

चर्चित चेहरा

देश की पहली नेत्रहीन महिला आईएएस

प्रांजल पाटिल

-सरिता गर्ग

• • • •